दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik
asliazadidainikofficial

# असली आज़ादी

■ वर्ष: 21, अंक: 234 ■ दमण, शनिवार 06, जून 2026 ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

एक पेड माँ के नाम

## प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने दमण में लगभग 2,970 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया, उन्हें राष्ट्र को समर्पित किया और आधारशिला रखी

# प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दमण-दीव और दादरा नगर हवेली में अत्यंत प्रभावी शासन मॉडल और तेज विकास की प्रशंसा की

■ हर बार जब मैं यहां आता हूं, तो मुझे लगता है कि मेरी पिछली यात्रा की तुलना में यह क्षेत्र विकास के रास्ते पर मीलों आगे बढ़ गया है: पीएम मोदी ■ दादरा और नगर हवेली, दमण और दीव ने दशकों से विकास के सपने देखे थे, सपने देखने वाली पीढियां चली गई लेकिन आज जो पीढी है वह अपने आंखों के सामने अपने माँ-बाप और दादा-दादी के द्वारा देखे गये सपने को पूरा होते हुए देख रही है: पीएम मोदी ■ संघ प्रदेश में आज कनेक्टिविटी, हेल्थ, एजुकेशन, टूरिज्म और अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर इन से जुड़ी अनेक परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास हुआ है, विकास के यह काम दमण और पूरी यूनियन टेरिटरी के लिए यहां के लोगों के जीवन को आसान बनाएंगे, इन कामों के पीछे प्रफुल पटेल की दृष्टि, उनकी और उनकी टीम की मेहनत साफ-साफ नजर आती है, मैं इसके लिए भी प्रफुलभाई और उनकी पूरी टीम की सराहना करता हूं: पीएम मोदी ■ हमारा दमण तेजी से मिनी इंडिया बन रहा है और आज मैं देख रहा हूं, बाईं तरफ पूरा बंगाल है और दाहिने तरफ पूरा असम है, दमण मिनी इंडिया का जीता-जागता उदाहरण बन चुका है, यहां की विविधता, अलग-अलग क्षेत्रों के लोगों का यहां निवास करना, पूरे भारत की सुंदर सी झलक आपके बीच आकर के मिल जाती है: पीएम मोदी ■ प्रशासक प्रफुल पटेल ने पीएम मोदी की राजा विक्रमादित्य से तुलना करते हुए बताया 'पर-दुःखभंजन' ■ संघ प्रदेश थ्रीडी पर माननीय प्रधानमंत्री जी की असीम कृपा रही है जिसके कारण प्रदेश की दशा और दिशा बदली है : प्रशासक प्रफुल पटेल

पीआईबी दिल्ली, 05 जून। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आज दमण में लगभग 2,970 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया और राष्ट्र को समर्पित करते हुए आधारशिला रखी। स्थानीय नेताओं और नागरिकों की उपस्थिति को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने अपने भाषण की शुरुआत भारी जनसमर्थन के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए की। अपनी पिछली यात्रा को याद करते हुए उन्होंने कहा कि कैसे उनका पूर्व अवलोकन वास्तविकता में तब्दील हो गया है, और यह क्षेत्र अब गर्व से राष्ट्र की विविधतापूर्ण और जीवंत छवि का प्रतिनिधित्व कर रहा है। श्री मोदी ने कहा, दमण लघु भारत का एक जीवंत उदाहरण बन गया है, जहां विभिन्न क्षेत्रों के लोगों का निवास पूरे देश की एक सुंदर झलक प्रस्तुत करता है। केंद्र शासित प्रदेशों की प्रशासनिक प्रगति पर गहरी संतुष्टि व्यक्त करते हुए, प्रधानमंत्री ने दमण, दीव और दादरा एवं नगर हवेली में सक्रिय रूप से लागू किए जा रहे अत्यंत प्रभावी शासन मॉडल की सराहना की। श्री मोदी ने कहा, जब भी मैं यहां आता हूं, मुझे लगता है कि मेरी पिछली यात्रा की तुलना में यह क्षेत्र विकास के पथ पर मीलों आगे बढ़ चुका है। क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि को चिह्नित करते हुए, उन्होंने कनेक्टिविटी, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन और शहरी अवसंरचना से संबंधित कई परिवर्तनकारी परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इन पहलों के पीछे अथक प्रशासनिक प्रयासों को स्वीकार करते हुए, उन्होंने युवाओं के लिए आधुनिक सुविधाओं और नए अवसरों को सुगम बनाने के लिए नेतृत्व की प्रशंसा की। श्री मोदी ने कहा, ये विकास कार्य लोगों के जीवन को अत्यंत सुगम बनाएंगे और युवाओं के लिए नए अवसर सृजित करेंगे। राष्ट्रीय आर्थिक परिदृश्य पर बात करते हुए, प्रधानमंत्री ने नवीनतम उत्साहजनक जीडीपी आंकड़े साझा किए और अंतिम तिमाही में 7.8 प्रतिशत की शानदार वृद्धि का श्रेय देश के मजबूत बुनियादी ढांचे के विकास और कल्याणकारी सुधार एजेंडा को दिया। श्री मोदी ने कहा, वैश्विक संकट के इस कठिन दौर में भी, 140 करोड़ देशवासियों के सामूहिक प्रयासों से भारत खुद को संभाले हुए है और अग्रणी बने रहने का प्रयास कर रहा है। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राष्ट्र के अवसंरचना संबंधी लक्ष्यों को रेखांकित करते हुए, उन्होंने दीव की उस ऐतिहासिक उपलब्धि का बखान किया, जिसके तहत सभी सरकारी भवनों को पूरी तरह से सौर ऊर्जा से संचालित किया जा रहा है। विकेंद्रीकृत हरित ऊर्जा उत्पादन के भविष्य की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए, उन्होंने वर्तमान में चल रहे व्यापक वृक्षारोपण अभियानों और छतों पर सौर ऊर्जा परियोजनाओं की सराहना की। श्री मोदी ने कहा, हमें इसे और आगे ले जाना होगा ताकि घरों को भी सौर ऊर्जा से बिजली मिल सके और परिवार अतिरिक्त ऊर्जा से आय अर्जित कर सकें। स्थानीय जनता द्वारा प्रदर्शित गहन नागरिक चेतना की सराहना करते हुए, प्रधानमंत्री ने विशेष रूप से क्षेत्र में चल रहे व्यापक स्वच्छता अभियानों की प्रशंसा की। श्री मोदी ने कहा, जनता की यह सक्रिय भागीदारी स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि स्वच्छता वास्तव में लोगों के बीच एक भावना बन गई है। केंद्र शासित प्रदेश और सिंगापुर के ऐतिहासिक आर्थिक विकास के बीच एक दूरदर्शी तुलना करते हुए, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नामो हवाई अड्डे और प्रतिष्ठित दमणगंगा पुल जैसी विशाल अवसंरचना परियोजनाएं केवल स्थानीय स्तर पर किए गए सुधार नहीं हैं, बल्कि वैश्विक स्तर पर ख्याति प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण कदम हैं। श्री मोदी ने कहा, इस तरह की सभी अवसंरचनाओं के माध्यम से, हम भविष्य के महान संकल्पों के लिए एक मजबूत नींव रख रहे हैं। स्थानीय विकास एजेंडा के रसद संबंधी लाभों पर विस्तार से बताते हुए, प्रधानमंत्री ने यह स्पष्ट किया कि सुगम आवागमन किस प्रकार व्यापार और आतिथ्य सत्कार के विस्तार में प्रत्यक्ष रूप से योगदान देता है। श्री मोदी ने कहा, ट्रांसपोर्ट नगर जैसी सुविधाएं निस्संदेह हमारे व्यापार और रसद को एक नई और सशक्त गति प्रदान करेंगी। भारत की व्यापक समुद्री रणनीति का विस्तार करते हुए, उन्होंने क्षेत्र की स्थानीय प्रगति को देश की समग्र नीली अर्थव्यवस्था की परिकल्पना से अटूट रूप से जोड़ा और लक्षद्वीप में चल रहे बंदरगाह विकास का उदाहरण दिया। श्री मोदी ने कहा, उच्च तकनीक वाले बुनियादी ढांचे द्वारा संचालित ये सभी लक्षित प्रयास नीली अर्थव्यवस्था में देश की ताकत को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाएंगे। सरकार के मूल विकास दर्शन को परिभाषित करते हुए, प्रधानमंत्री ने आयुष्मान आरोग्य मंदिरों और डिजिटल स्वास्थ्य मिशन जैसी समग्र स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से हाशिए पर पड़े समुदायों, गरीबों, आदिवासियों और मध्यम वर्ग को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर जोर दिया। श्री मोदी ने कहा, "आज सबसे गरीब लोगों के पास भी आयुष्मान कार्ड की सुविधा और 5 लाख रुपये तक के मुफ्त चिकित्सा उपचार का ठोस आश्वासन है।" इन लक्षित कल्याणकारी योजनाओं से मिली व्यापक वित्तीय राहत का ब्यौरा देते हुए प्रधानमंत्री ने आम परिवारों को मिले ठोस आर्थिक लाभों को दर्शाया। श्री मोदी ने कहा, केवल आयुष्मान कार्ड और जन औषधि केंद्रों के माध्यम से ही गरीब और मध्यम वर्ग के लगभग सवा दो लाख करोड़ रुपये सफलतापूर्वक बचाए गए हैं। वर्तमान चिकित्सा अवसंरचना की तुलना अतीत की कमियों से करते हुए, उन्होंने सिलवासा में नामो अस्पताल की सफल परिचालन स्थिति और दमण में इसके समकक्ष अस्पताल के उद्घाटन के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा की शुरुआत का जश्न मनाया। श्री मोदी ने कहा, इस क्षेत्र के लोगों को अब और भी बेहतर और अत्याधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं का भरपूर लाभ मिलेगा। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के व्यापक आंकड़ों का हवाला देते हुए, प्रधानमंत्री ने संस्थागत प्रसव और बाल टीकाकरण में हुई अभूतपूर्व वृद्धि का उल्लेख किया,

(समाचार का शेष पेज 8 पर)

## मेयर को ईमेल से बम की धमकी, एमसीडी मुख्यालय में मचा हड़कंप ; तलाशी में नहीं मिला कुछ संदिग्ध

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के महापौर की आधिकारिक ईमेल आईडी पर बम धमाकों की धमकी मिलने के बाद प्रशासनिक और सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। धमकी भरे ईमेल में दिल्ली और उसके आसपास के कुछ क्षेत्रों में विस्फोट होने का दावा किया था, इसके बाद पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां तुरंत अलर्ट मोड में आ गईं। सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस, बम निरोधक दस्ता (बीडीएस) और डॉग स्क्वॉड की टीमों को मौके पर भेजा गया। सुरक्षा बलों ने एमसीडी मुख्यालय, मेयर कार्यालय, भवन के कॉमन एरिया, पार्किंग परिसर और अन्य संवेदनशील स्थानों की व्यापक तलाशी ली। कई घंटों तक चले सघन सर्च अभियान के दौरान किसी भी प्रकार की संदिग्ध वस्तु, विस्फोटक सामग्री या खतरे से जुड़ा कोई संकेत नहीं मिला। एमसीडी अधिकारियों ने बताया कि एहतियात के तौर पर परिसर में आने-जाने वाले लोगों की गतिविधियों पर भी नजर रखी गई और सुरक्षा व्यवस्था को अस्थायी रूप से और कड़ा किया गया। जांच पूरी होने के बाद स्थिति को सामान्य घोषित कर दिया गया, लेकिन सुरक्षा एजेंसियां सतर्क बनी हुई हैं। मामले की गंभीरता को देखकर पुलिस ने तकनीकी और साइबर जांच शुरू कर दी है। विशेषज्ञ ईमेल भेजने वाले व्यक्ति की पहचान करने और उसके स्रोत का पता लगाने में जुटे हैं। जांच एजेंसियां खंगाल रही हैं कि धमकी भरा संदेश देश के भीतर से भेजा गया या इसके लिए किसी विदेशी सर्वर का इस्तेमाल हुआ। प्रारंभिक जांच में किसी वास्तविक खतरे के संकेत नहीं मिले हैं। अधिकारियों का मानना है कि यह शरारत, अफवाह फैलाने या सुरक्षा एजेंसियों को भ्रमित करने की कोशिश हो सकती है। हालांकि, जांच पूरी होने तक किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से बचा जा रहा है।

## अमेरिका में नीलाम हुआ चंडीगढ़ की विरासत से जुड़ा दुर्लभ फर्नीचर

चंडीगढ़ (एजेंसी)। चंडीगढ़ की विश्वप्रसिद्ध वास्तु और डिजाइन विरासत से जुड़ी मूल फर्नीचर वस्तुओं की अमेरिका में हुई नीलामी ने फिर संरक्षण और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। विरासत संरक्षण के लिए सक्रिय एडवोकेट अजय जग्गा ने मामले में केंद्र सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने विदेश मंत्री और केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री को पत्र लिखकर नीलाम की गई वस्तुओं की जांच कराने का आग्रह किया है। जग्गा के अनुसार, अमेरिका के राइट ऑक्शन हाउस में आयोजित नीलामी की जानकारी उन्होंने पहले ही संबंधित मंत्रालयों को दे दी थी। इसके बावजूद चंडीगढ़ की विरासत से जुड़ी सात दुर्लभ फर्नीचर वस्तुएं नीलाम कर दी गईं। ये सभी वस्तुएं प्रसिद्ध वास्तुकार और डिजाइनर पियरे जेनरे द्वारा डिजाइन की गई थीं, जिनका चंडीगढ़ के निर्माण और डिजाइन इतिहास में विशेष महत्व माना जाता है। जानकारी के मुताबिक, नीलामी में इन वस्तुओं की कुल बिक्री करीब 1.16 करोड़ रुपये में हुई। इनमें सबसे अधिक कीमत एक जोड़ी लाउंज चेयर को मिली, जो लगभग 37.80 लाख रुपये में बिकी। इन वस्तुओं को चंडीगढ़ की आधुनिक वास्तुकला और डिजाइन विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है। जग्गा ने आरोप लगाया कि पिछले कई वर्षों से सरकारी संस्थानों और सार्वजनिक परिसरों से विरासत फर्नीचर गायब होकर विदेशी नीलामी घरों और निजी संग्रहकर्ताओं तक पहुंच रहा है। उन्होंने मांग की है कि नीलाम की गई वस्तुओं के स्रोत और स्वामित्व की विस्तृत जांच कराई जाए। साथ ही उन्होंने सुझाव दिया कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए भारतीय दूतावासों को सतर्क किया जाए और चंडीगढ़ में मौजूद विरासत फर्नीचर को 'आर्ट ट्रेजर' घोषित कर विशेष कानूनी संरक्षण प्रदान किया जाए। इस घटनाक्रम ने देश की सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण को लेकर नई बहस छेड़ दी है।

# पीएम मोदी के खिलाफ बयानबाजी कर सुर्खियों में आए खेड़ा को मिला राज्यसभा का टिकट

### सीएम सरमा की पत्नी को लेकर विवादों में रहे

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कांग्रेस द्वारा राज्यसभा चुनाव के लिए घोषित उम्मीदवारों की सूची में पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा का नाम शामिल हो गया है। जिसकी राजनैतिक गलियारों में खूब चर्चा है। कर्नाटक से राज्यसभा के लिए उम्मीदवार बनाए गए खेड़ा का संसद के उच्च सदन में पहुंचना लगभग तय है। पार्टी के इस फैसले को कांग्रेस नेतृत्व द्वारा अपने सबसे सक्रिय, मुखर और संघर्षशील नेता को दिया गया महत्वपूर्ण राजनीतिक सम्मान बताया जा रहा है।

पवन खेड़ा बीते कई वर्षों से कांग्रेस की ओर से भाजपा और केंद्र सरकार के खिलाफ सबसे प्रमुख आवाजों में शामिल रहे हैं। टीवी बहसों, प्रेस कॉन्फ्रेंसों और सार्वजनिक मंचों पर उन्होंने लगातार पार्टी का पक्ष मजबूती से रखा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि हाल के वर्षों में उन्होंने खुद को कांग्रेस के प्रमुख प्रवक्ताओं में स्थापित किया है, जिसके चलते संगठन में उनका कद लगातार बढ़ा है।

वर्ष 2022 के राज्यसभा चुनाव में टिकट नहीं मिलने के बाद खेड़ा ने सोशल मीडिया पर निराशा जाहिर कर लिखा था कि शायद उनकी तपस्या में कोई कमी रही। उस समय उन्हें राज्यसभा नहीं भेजने को लेकर पार्टी के भीतर भी चर्चाएं हुई थीं। हालांकि, इसके बाद उन्होंने संगठनात्मक और राजनीतिक स्तर पर अपनी सक्रियता को और बढ़ाया तथा कांग्रेस नेतृत्व के भरोसेमंद चेहरों में अपनी जगह मजबूत की।

बीते कुछ वर्षों में खेड़ा कई राजनीतिक और कानूनी विवादों के केंद्र में भी रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जुड़े बयान को लेकर उनकी गिरफ्तारी राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में रही थी। इसके अलावा असम में दर्ज विभिन्न मामलों और कानूनी चुनौतियों के दौरान भी कांग्रेस नेतृत्व उनके समर्थन में खुलकर खड़ा दिखाई दिया। पार्टी के भीतर धारणा बनी कि खेड़ा ने कठिन परिस्थितियों में भी संगठन का पक्ष मजबूती से रखा और राजनीतिक दबावों का सामना किया।

कांग्रेस के लिए राज्यसभा में प्रभावी वक्ताओं की जरूरत भी इस फैसले की एक महत्वपूर्ण वजह मानी जा रही है। खेड़ा अपनी तार्किक शैली, राजनीतिक मुद्दों पर पकड़ और आक्रामक प्रस्तुति के लिए जाने जाते हैं। माना जा रहा है कि संसद में वे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और वरिष्ठ नेता जयराम रमेश जैसे नेताओं के साथ मिलकर विपक्ष की आवाज को और मजबूत किया जाएगा।

पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के करीबी माने जाने वाले खेड़ा लंबे समय से कांग्रेस संगठन का हिस्सा हैं। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के कार्यकाल से सक्रिय राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले खेड़ा ने संगठन के प्रति अपनी निष्ठा बनाए रखी है। कर्नाटक जैसी सुरक्षित सीट से उम्मीदवार बनाए जाने को इस बात का संकेत माना जा रहा है कि कांग्रेस नेतृत्व उन्हें राष्ट्रीय राजनीति में बड़ी भूमिका देना चाहता है। राज्यसभा का यह टिकट न केवल उनकी राजनीतिक यात्रा का अहम पड़ाव है, बल्कि कांग्रेस की संगठनात्मक प्राथमिकताओं और नेतृत्व की रणनीति को भी दर्शाता है।

## कर्नाटक हाईकोर्ट ने क्यों कहा... इस तरह से हाईकोर्ट की इमारत भी सुरक्षित नहीं रहेगी

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु में पुलिस विभाग के आवासीय क्वार्टरों की जमीन पर निजी मालिकाना हक के दावे और कथित बिक्री से जुड़े मामले में कर्नाटक हाईकोर्ट ने कड़ा रुख दिखाया है। सुनवाई के दौरान अदालत ने याचिकाकर्ता की दलीलों पर तीखी टिप्पणी कर कहा कि यदि इसतरह के दावों को स्वीकार किया, तब भविष्य में सार्वजनिक संस्थानों की संपत्तियां भी सुरक्षित नहीं रहेगी। मामले की सुनवाई कर रहे न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना ने कहा कि जिस जमीन पर वर्षों से पुलिस विभाग का कब्जा है और जहां पुलिसकर्मी रह रहे हैं, उस जमीन को बेचने का दावा करना गंभीर मामला है। अदालत ने कहा, 卐अगर इस तरह की चीजों की अनुमति दी गई, तब आगे चलकर हाईकोर्ट की इमारत भी सुरक्षित नहीं रहेगी। यह मामला शिवमोगा निवासी श्रीनाथ नगरगद्दे से जुड़ा है, जो पुलिस क्वार्टर की जमीन के कथित बिक्री प्रकरण में आरोपी हैं। सुनवाई के दौरान उनके वकील ने तर्क दिया कि जमीन पर उनके मुवक्किल का वैध मालिकाना हक है और पुलिस का वहां रहना पूरी तरह से अनधिकृत है। इस पर अदालत ने नाराजगी जताकर कहा कि मामले की जांच जारी है और न्यायालय तथ्यों के आधार पर निर्णय लेगा। आरोपी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता एम. अरुण श्याम ने दावा किया कि जमीन वास्तव में एक अन्य आरोपी एम.आर. महालक्ष्मी की है। उनके अनुसार, महालक्ष्मी ने स्वयं को वैध मालिक बताकर कुछ लोगों के साथ बिक्री समझौते किए थे, जिन्हें बाद में आपराधिक मामले में आरोपी बनाया गया। वकील ने कहा कि सरकारी रिकॉर्ड और एन्कम्ब्रेन्स सर्टिफिकेट में भी संपत्ति का नाम कथित मालिकों के पक्ष में दर्ज है। बचाव पक्ष का कहना है कि 1950 से जमीन के रिकॉर्ड आरोपियों और उनके पूर्वजों के नाम पर दर्ज हैं। उन्होंने अदालत में चुनौती देकर कहा कि यदि राज्य सरकार जमीन पर अपने स्वामित्व का एक भी ठोस दस्तावेज पेश कर दे, तब उनके मुवक्किल मुकदमा वापस लेने को तैयार हैं। साथ ही, इस भूमि विवाद से जुड़े दो दीवानी मामले पहले से अदालतों में लंबित हैं।

## लाखों अमरनाथ यात्रियों को मिलेगा डिजिटल सुरक्षा कवच

### -जम्मू-कश्मीर पुलिस ने लांच किया 'पहचान एप

**जम्मू (एजेंसी)।** आगामी अमरनाथ यात्रा को अधिक सुरक्षित, पारदर्शी और सुव्यवस्थित बनाने के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस ने 'पहचान' नामक विशेष मोबाइल एप लांच किया है। क्यूआर कोड आधारित डिजिटल पहल का उद्देश्य यात्रा मार्ग पर सेवाएं प्रदान करने वाले लोगों की पहचान और सत्यापन को आसान बनाना है, ताकि श्रद्धालुओं को सुरक्षित और भरोसेमंद सेवाएं मिल सकें।

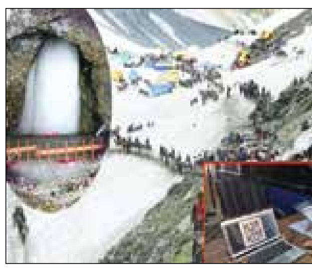

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, एप के तहत घोड़े वाले, पिट्ठू, पालकी संचालक, दुकानदार, स्थानीय सेवा प्रदाता और यात्रा से जुड़े अन्य लोगों का पंजीकरण होगा। पंजीकरण के बाद प्रत्येक व्यक्ति को एक विशिष्ट क्यूआर कोड दिया जाएगा। श्रद्धालु या अधिकारी इस कोड को स्कैन कर संबंधित व्यक्ति की पहचान, पंजीकरण स्थिति और अन्य आवश्यक जानकारियों का तुरंत सत्यापन कर सकते है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि हर वर्ष अमरनाथ यात्रा में लाखों श्रद्धालु शामिल होते हैं, जिसके चलते सुरक्षा और प्रबंधन की चुनौतियां भी बढ़ जाती हैं। इसतरह 'पहचान' एप फर्जी पहचान वाले लोगों और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे यात्रियों को केवल सत्यापित और अधिकृत सेवा प्रदाताओं से ही सेवाएं प्राप्त होंगी, जिससे उनकी सुरक्षा और विश्वास दोनों मजबूत होगा।

जम्मू-कश्मीर पुलिस का मानना है कि यह व्यवस्था यात्रियों से अधिक शुल्क वसूलने, सेवा संबंधी विवादों और पहचान से जुड़ी समस्याओं को कम करने में मदद करेगी। इसके अलावा प्रशासन को सेवा प्रदाताओं की निगरानी, भीड़ प्रबंधन और किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई करने में सुविधा मिलेगी। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने कहा कि यात्रा प्रबंधन में आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल पर विशेष जोर दिया जा रहा है। 'पहचान' एप इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाएगा। अधिकारियों को उम्मीद है कि नई डिजिटल प्रणाली से अमरनाथ यात्रा पहले से अधिक सुरक्षित, व्यवस्थित और श्रद्धालु-अनुकूल बनेगी तथा यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी।

# 'कॉकरोच जनता पार्टी' के प्रदर्शन पर हाईकोर्ट की तत्काल सुनवाई से इंकार

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली हाईकोर्ट ने जंतर-मंतर पर प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर भीड़ नियंत्रण संबंधी निर्देश जारी करने की मांग वाली याचिका पर तत्काल सुनवाई करने से इंकार किया है। याचिका में पुलिस को प्रदर्शन स्थल और आसपास के प्रवेश मार्गों पर विशेष सुरक्षा एवं भीड़ प्रबंधन व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश देने की मांग की गई थी।

यह मामला तब चर्चा में आया है जब व्यंग्यात्मक संगठन 'कॉकरोच जनता पार्टी' के संस्थापक अभिजीत दिपके भारत पहुंचने वाले हैं। बताया जा रहा है कि वह शनिवार को प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करने के लिए अमेरिका से रवाना हुए हैं। हालांकि, प्रदर्शन के लिए औपचारिक अनुमति लिए जाने को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है।

सेव इंडिया फाउंडेशन की ओर से दायर याचिका का उल्लेख अवकाशकालीन पीठ के समक्ष किया गया था। याचिकाकर्ता की ओर से मामले की तत्काल सुनवाई का अनुरोध किया, लेकिन अदालत ने अनुरोध को स्वीकार नहीं किया। इसके बाद प्रदर्शन और उससे जुड़ी व्यवस्थाओं को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

दिपके ने मई में ऑनलाइन अभियान की शुरुआत की थी, जिसने सोशल मीडिया पर तेजी से लोकप्रियता हासिल की। यह अभियान न्यायपालिका से जुड़ी टिप्पणी के बाद शुरू हुआ था और देखते ही देखते बड़ी संख्या में युवाओं का ध्यान आकर्षित करने लगा। संगठन ने हाल ही में अपने प्रवक्ताओं की भी नियुक्ति की है और राजधानी में एक प्रेसवार्ता आयोजित कर अपनी गतिविधियों को सार्वजनिक रूप से सामने रखा।

दिपके ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपने समर्थकों से अपील की है कि वे दिल्ली हवाई अड्डे पर उनका स्वागत करने के लिए एकत्रित न हों। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य शांतिपूर्ण और कानून के दायरे में रहकर अपनी बात रखना है। उन्होंने संकेत दिया कि वह संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर प्रदर्शन के लिए आवश्यक अनुमति प्राप्त करने का प्रयास करने वाले है। इस बीच, प्रशासन संभावित भीड़ को देखते हुए स्थिति पर नजर बनाए हुए है। पुलिस और अन्य एजेंसियां कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक तैयारियों का आकलन कर रही हैं। फिलहाल सभी की निगाहें शनिवार को प्रस्तावित कार्यक्रम और उससे जुड़े घटनाक्रम पर टिकी हुई हैं।

## उमर की गोपनीय बैठक से बढ़ीं राजनीतिक चर्चाएं, विधायकों संग तय की आगे की रणनीति

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा दाचीगाम राष्ट्रीय उद्यान में आयोजित की गई विशेष बैठक ने प्रदेश की राजनीति में नई सुगबुगाहट पैदा कर दी है। श्रीनगर से करीब 22 किलोमीटर दूर स्थित क्षेत्र को बैठक के लिए चुनने और वहां सीमित संचार सुविधा होने के कारण राजनीतिक हलकों में कई तरह के कयास लग रहे हैं। बैठक में नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायकों, मंत्रियों और वरिष्ठ नेताओं ने हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बैठक को सरकार और संगठन के कामकाज की समीक्षा के लिए आयोजित बताया। हालांकि राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह केवल प्रशासनिक समीक्षा तक सीमित नहीं थी, बल्कि राज्य का दर्जा बहाल करने, पार्टी के राजनीतिक एजेंडे और संगठन के भीतर उभर रही चुनौतियों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। सूत्रों के अनुसार, बैठक में जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा वापस दिलाने के मुद्दे पर विशेष जोर दिया गया। पार्टी नेताओं ने माना कि जनता ने जिन उम्मीदों के साथ नेशनल कॉन्फ्रेंस को समर्थन दिया था, उन अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए राज्य के अधिकारों की बहाली को लेकर और अधिक सक्रिय भूमिका निभाने की जरुरत है।

# विश्व पर्यावरण दिवस पर सिलवासा न्यायालय परिसर में किया गया वृक्षारोपण

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 05 जून। जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण सिलवासा की ओर से माननीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश विभा इंगले और माननीय मुख्य न्यायाधीश जयदेव घुले द्वारा दिए गए निर्देश और मार्गदर्शन के अनुसार आज सुबह 10:30 बजे सिलवासा जिला न्यायालय परिसर में विश्व पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर माननीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश विभा इंगले, माननीय मुख्य न्यायाधीश जयदेव घुले और न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अरुण व्यवहारे द्वारा अलग-अलग प्रजाति के पौधे लगाए गए। सिलवासा और डीएनएच बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एस. टी. चौहान और नितिन माह्यावंशी के साथ सभी एडवोकेट बार एसोसिएशन के वकील सदस्य उपस्थित रहे। सभी स्टाफ ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग किया और डीएलएसए के

अधीक्षक संतोष शेलार और सहायक अधीक्षक अनिरुद्ध पगड़े की देखरेख में कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में 60 से ज्यादा स्टाफ और वकीलों ने हिस्सा लिया।

TORRENT POWER | DNHDD

**बिजली बंद होने की सूचना**

उपभोक्ताओं को निर्बाध और गुणात्मक बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए दादरा नगर हवेली एवं दमन दीव पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (ट्रान्समिशन) द्वारा नेटवर्क रखरखाव की योजना बनाई है, ऐसा हमें सूचित किया गया हैं निम्न दर्शित संबंधित सबस्टेशनों के सामने दिखाए गए क्षेत्रों के उपभोकताओं के लिए तिथियों पर बिजली आपूर्ति बंद रहेगी। कृपया तदनुसार आपकी गतिविधियों की योजना बनाएं। हालांकि, बिजली आपूर्ति निर्धारित समय से पहले शुरू करने के सभी प्रयास किए जाएंगे।

| दिनांक | सबस्टेशन | फीडर | क्षेत्र का नाम |
|---|---|---|---|
| ०८/०६/२०२५ सोमवार समय: सुबह :८:०० से शाम ६:०० | मसाट | ६६ केवी मसाट एसएस १५ एमवीए टीआर - ४ ६६ केवी मसाट एसएस २० एमवीए टीआर - ५ | एकसप्रेस फीडर : हनुमान, टीसीपीएल ( मसाट ), ब्लूचिप टेक्स, सिद्धि प्लास्ट, ईंटरव्रेप, रुंगटा, वासुपूज्या |
| ०९/०६/२०२५ मंगलवार समय: सुबह :९:०० से शाम ६:०० | सिल्ली | ६६ केवी सिल्ली एसएस १५ एमवीए टीआर - १ | एकसप्रेस फीडर : एरो फाईबर, नेक्स्टजेन, प्रीस्ट्रेस वायर |

असुविधा के लिए खेद है

**आरसीसीबी/ईएलसीबी का प्रमुख लाभ आपके परिवार की सुरक्षा का वादा**

अर्थ लीकेज सर्किट ब्रेकर स्थापित करें और सुरक्षित रहें

एक छोटी सी डिवाइस आपको बिजली के झटके से बचाएगी

आपकी सेवा में सदैव उपस्थित

24/7 Helpline 9099991912, 18002339500, 19126, 18002705551

connect.torrentpower.com

connect.dnhdd@torrentpower.com

# दमण न्यायालय ने विश्व पर्यावरण दिवस पर किया जागरूकता कार्यक्रम

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 05 जून।

राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण दमण के दिशानिर्देश पर दमण न्यायालय कर्मियों द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में घर-घर जाकर पर्चे बांटने का कार्यक्रम चलाया गया, जिसका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण और स्वच्छ एवं हरित पर्यावरण बनाए रखने के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना था। इस कार्यक्रम में अधिवक्ताओं और न्यायालय के कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया, जिन्होंने

नागरिकों को वृक्षारोपण गतिविधियों में भाग लेने और पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया। इस पहल का उद्देश्य सतत एवं पर्यावरण के अनुकूल भविष्य के प्रति जन जागरूकता और सामूहिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देना था।

# दादरा नगर हवेली में विश्व पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण संरक्षण को लेकर आयोजित किए गए कई कार्यक्रम

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 05 जून। दादरा नगर हवेली में विश्व पर्यावरण दिवस पर वन विभाग के अलावा अन्य कई विभागों द्वारा पर्यावरण संरक्षण के संदर्भ में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके अलावा कई सामाजिक संगठनों, निजी संस्थानों और औद्योगिक संस्थानों द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें जगह-जगह वृक्षारोपण कार्यक्रम भी किया गया। इसी तरह दादरा नगर हवेली के समाज कल्याण विभाग द्वारा सिलवासा के रिवरफ्रंट पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें रिवरफ्रंट पर नियमित योग और वॉकिंग के लिए आने वाले शहरीजनों ने भारी संख्या में इस वृक्षारोपण कार्यक्रम में भाग लिया और पौधे लगाकर दुनिया भर में हो रहे जलवायु परिवर्तन को रोकने तथा पर्यावरण को संरक्षित रखने का संदेश दिया।

# पीएम मोदी के संघ प्रदेश के कार्यक्रम की यादगार झलकियाँ....

# अन्नामलाई का नई पार्टी बनाने का निर्णय आवेश में लिया गया फैसला नहीं, लंबे चिंतन का निष्कर्ष दिखाई देता है

नीरज कुमार दुबे

**अन्नामलाई ने खुलकर कहा कि उनके भीतर लंबे समय से यह संघर्ष चल रहा था कि वह पहले भारतीय हैं या तमिल। यह बयान केवल भावनात्मक अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि तमिलनाडु की राजनीति के उस मूल द्वंद्व को सामने लाता है जिसमें राष्ट्रीय दलों को अक्सर क्षेत्रीय अस्मिता के सामने संघर्ष करना पड़ता है।**

तमिलनाडु की राजनीति में एक नया भूचाल उस समय आ गया जब भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने पार्टी से इस्तीफा देकर अपने नए राजनीतिक आंदोलन की घोषणा कर दी। यह फैसला तमिलनाडु की जमी हुई राजनीतिक संस्कृति को चुनौती देने वाला एक बड़ा संदेश है। अन्नामलाई ने जिस साफगोई, साहस और वैचारिक दृढ़ता के साथ अपने फैसले को सामने रखा है, उसने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह अब किसी दल के सीमित दायरे में नहीं, बल्कि तमिल समाज की व्यापक आकांक्षाओं के प्रतिनिधि के रूप में उभरना चाहते हैं।
अन्नामलाई ने खुलकर कहा कि उनके भीतर लंबे समय से यह संघर्ष चल रहा था कि वह पहले भारतीय हैं या तमिल। यह बयान केवल भावनात्मक अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि तमिलनाडु की राजनीति के उस मूल द्वंद्व को सामने लाता है जिसमें राष्ट्रीय दलों को अक्सर क्षेत्रीय अस्मिता के सामने संघर्ष करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि चार दिसंबर 2025 को ही उन्होंने पार्टी नेतृत्व को इस्तीफे का फैसला बता दिया था, लेकिन उनसे चुनाव तक रुकने का अनुरोध किया गया। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि भारतीय जनता पार्टी का शीर्ष नेतृत्व उनकी लोकप्रियता और प्रभाव को लेकर कितना सजग था।

पूर्व पुलिस अधिकारी रहे अन्नामलाई ने भारतीय जनता पार्टी में सकारात्मक बदलाव के उद्देश्य से प्रवेश किया था। उन्होंने कहा कि पार्टी में रहते हुए उन्होंने कभी तमिलनाडु की पहचान से समझौता नहीं किया। पिछले अठारह महीनों में संगठनात्मक मामलों को लेकर उनकी असहमति लगातार बढ़ती गई। यही कारण है कि उन्होंने अब एक स्वतंत्र राजनीतिक रास्ता चुनने का फैसला किया है। यह निर्णय किसी आवेश का परिणाम नहीं, बल्कि लंबे चिंतन और रणनीतिक तैयारी का हिस्सा दिखाई देता है।

अन्नामलाई ने अपने नए आंदोलन ₹वी द लीडर₹ की घोषणा करते हुए साफ कर दिया कि उनका उद्देश्य केवल एक और राजनीतिक दल खड़ा करना नहीं, बल्कि राजनीति की भाषा और संस्कृति को बदलना है। उन्होंने परिवारवाद और व्यक्तिपूजा की राजनीति पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि किसी भी विधायक, सांसद या मंत्री का पद स्थायी नहीं होना चाहिए। यह बयान तमिलनाडु की उस परंपरागत राजनीति पर करारा प्रहार है जिसमें कुछ परिवारों और सीमित चेहरों के इर्दगिर्द सत्ता घूमती रही है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अन्नामलाई ने राजनीति में तकनीकी विशेषज्ञों, युवाओं और सामान्य नागरिकों की भागीदारी पर जोर दिया है। उन्होंने युवाओं से राजनीति में आने की अपील करते हुए कहा कि अब आम आदमी की नई पीढ़ी की राजनीति की नींव रखी जा रही है। यह सोच उन्हें पारंपरिक नेताओं से अलग करती है। देखा जाये तो तमिलनाडु में जहां लंबे समय से भावनात्मक नारों और जातीय समीकरणों के आधार पर राजनीति चलती रही है, वहां अन्नामलाई प्रशासनिक दक्षता, नैतिकता और प्रतिभा आधारित नेतृत्व की बात कर रहे हैं। यही उनकी सबसे बड़ी ताकत बन सकती है।

उनके आंदोलन के अंतर्गत कोयंबटूर में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम सेंटर फोर एथिक्स एंड पॉलिटिक्स की स्थापना का फैसला भी बताता है कि वह केवल चुनावी राजनीति नहीं, बल्कि वैचारिक और नैतिक प्रशिक्षण की स्थायी व्यवस्था खड़ी करना चाहते हैं। यह दृष्टिकोण तमिलनाडु की राजनीति में एक नई बौद्धिक धारा पैदा कर सकता है। उनके आह्वान के कुछ ही समय बाद हजारों लोगों का उनके राजनीतिक आंदोलन से जुड़ना यह संकेत देता है कि जनता के एक हिस्से में बदलाव की बेचैनी पहले से मौजूद थी।

बताया जा रहा है कि अन्नामलाई ने भाजपा नेतृत्व के सामने दो स्पष्ट विकल्प रखे थे। एक तो उन्हें पर्याप्त स्वायत्तता और अधिकारों के साथ कम से कम सात वर्षों तक प्रदेश नेतृत्व दिया जाए, या फिर उन्हें स्वतंत्र राजनीतिक राह चुनने दी जाए। यह मांग उनके आत्मविश्वास और दूरदृष्टि दोनों को दर्शाती है। साथ ही इस्तीफे का ऐलान करने से पहले दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन से उनकी मुलाकात तथा पार्टी नेतृत्व द्वारा उन्हें मनाने की कोशिश इस बात का प्रमाण है कि अन्नामलाई की अहमियत से भाजपा नेतृत्व वाकिफ है।

वैसे तमिलनाडु की मौजूदा राजनीति भी अन्नामलाई के लिए अवसर लेकर आई है। हालिया विधानसभा चुनावों में द्रविड दलों को झटके लगे और अभिनेता विजय की पार्टी ने अप्रत्याशित सफलता हासिल की। इससे यह स्पष्ट हो गया कि राज्य की जनता अब पारंपरिक राजनीतिक ढांचे से बाहर विकल्प तलाश रही है। अन्नामलाई का मानना है कि राष्ट्रीय दलों के लिए यहां सीमित राजनीतिक जगह है, इसलिए एक मजबूत क्षेत्रीय विकल्प ही जनता की आकांक्षाओं को सही दिशा दे सकता है। उनकी यह समझ राजनीतिक रूप से बेहद व्यावहारिक और दूरदर्शी मानी जा रही है।

उधर, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ने भले ही कहा हो कि अन्नामलाई के जाने से पार्टी को कोई नुकसान नहीं होगा, लेकिन राजनीतिक वास्तविकता इससे अलग दिखाई देती है। अन्नामलाई ने तमिलनाडु में भाजपा को ऊर्जा, आक्रामकता और जनस्वीकार्यता दी थी। अब उनके अलग होने से भाजपा के सामने नेतृत्व और जनाधार दोनों की चुनौती खड़ी होगी। दूसरी ओर, अन्नामलाई यदि अपने आंदोलन को संगठित ढंग से आगे बढ़ाते हैं तो वह तमिलनाडु की राजनीति में तीसरी शक्ति के रूप में तेजी से उभर सकते हैं।

बहरहाल, यह स्पष्ट है कि अन्नामलाई ने केवल पार्टी नहीं छोड़ी, बल्कि तमिलनाडु की राजनीति को नई दिशा देने की चुनौती स्वीकार की है। उनकी राजनीति में साहस है, वैचारिक स्पष्टता है और बदलाव की बेचैनी भी है। आने वाले वर्षों में यह देखना बेहद दिलचस्प होगा कि क्या उनका यह आंदोलन तमिलनाडु की राजनीति में वैसा ही परिवर्तन ला पाएगा जिसकी वह कल्पना कर रहे हैं। फिलहाल इतना तय है कि अन्नामलाई ने राजनीति के मैदान में एक नई बहस छेड़ दी है और इस बहस को नजरअंदाज कर पाना किसी के लिए आसान नहीं होगा।

## संपादकीय

### बूढ़ी पटरियों पर

न ट्रेन की आवाज में अंतर और न ही गति में कोई फर्क, फिर भी हरी झंडियों ने नैरो गेज लाइन पर कांगड़ा घाटी रेल की तारीफ कर दी। फिलहाल दो ही रेल गाडि?ां पठानकोट से बैजनाथ तक के सफर को आबाद करेंगी। कांगड़ा रेलवे स्टेशन पर हुआ ह्यझंडी समारोहह्न बताता है कि हम पुरानी ईंटों से घर बनाते हैं, जश्न को कंधों पर उठाते हैं। वाकई जश्न के अधिकारी हमारे सांसद थे, जिनके प्रयास चार साल मेहनत करने के बाद, समझ पाए कि कांगड़ा की जनता क्या चाहती है। कहां तो ब्रॉड गेज रेल की सीटियां सुनाई गईं और कहां हवाला यह कि मात्र दो रेलगाडि?ां बंधकों की तरह सुबह सवेरे ही पठानकोट के सुख चैन को नुकसान पहुंचाए बिना निकल आएंगी। एक ट्रेन सुबह पांच तो दूसरी सात बजे पठानकोट से चलेगी, जबकि जनता का आग्रह तो कुछ भिन्न है। उसे दिन में दौड़ती ट्रेने चाहिएं और वापसी भी सारा दिन चाहिए। गनीमत यह कि अंग्रेजों की पटरी पर हम पुनः अपने सफर की रवानगी करते हुए दिखाई दिए। यह ट्रेन अपने नए उद्घाटन को याद रखेगी और खुश होगी कि राजनीतिक मंच बूढ़ी पटरियों पर भी पसर सकता है। इस दौरान हम गुमराह होने के लिए इसी ट्रेन पर गौरव हासिल करते रहेंगे। हमें याद है पूर्व मुख्यमंत्री व केंद्र में मंत्री रहे शांता कुमार खाका खींचते रहे कि पठानकोट से ब्रॉडगेज पटरी पर नया आसमान खुलेगा। उनके नक्शे सेना की योल छावनी व होल्टा कैंप से निकलकर, रेल विस्तार का बड़ा चित्र पेश करते रहे। इतना ही नहीं वर्तमान सांसद डा. राजीव भारद्वाज भी सपनों की रेल चलाने की कामना में राजनीतिक पत्ते खेलते रहे। वाकई हमारे नेता जादूगर हैं और हम हैं भोली भाली जनता जिसे फख्र होता है कभी कांग्रेस के पल्ले और कभी भाजपा की महफिल में नाच देख कर। सही में कहें तो हमारी योजनाओं का कूड़ेदान बदलता रहता है, लेकिन जनता एक स्थायी दर्शक की तरह इंतजार करती है कि कभी तो मंचों से हकीकत के फासले कम होंगे। कांगड़ा अब विडंबनाओं का चिडि?ाघर है और जहां नेताओं के असफल अध्याय इस क्षेत्र के सपनों को बार-बार बर्बाद करते रहे हैं। राज्य की राजनीति हो या केंद्र की भागीदारी हो, कांगड़ा-चंबा का मुकद्मा यहां के नेता ही हार रहे हैं। जिन्हें रत्ती भर भी संदेह हो, वे पठानकोट-मंडी या कांगड़ा-शिमला फोरलेन के हिस्से देख लें। कब जसूर या मलां के फ्लाईओवर बन जाएंगे, किस सांसद या किस विधायक से पूछें। कांगड़ा सुरंग पर अटकीं फोरलेन की सांसें कौन बहाल करेगा। ट्रेन के हवाले से हिमाचल को अगर गौरव हासिल हुआ है तो हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के ऊना से गुजरती ब्रॉडगेज लाइन पर देखना पड़ेगा। देखना पड़ेगा कि अंब-अंदौरा तक आ पहुंची वंदे भारत ट्रेन का महत्त्व क्या है। इतना ही नहीं सांसद अनुराग ठाकुर के प्रयासों से अब अंब-अंदौरा से हिमाचल पूरे देश से जुड़ता है। ऐसे में पठानकोट से ब्रॉडगेज का गर्द उड़ाने वाले कांगड़ा के सांसद व नेता सोच लें कि अगर वंदे भारत ट्रेन चाहिए, तो अंब-अंदौरा से रेलवे की उस ब्रांच की मांग करें, जो चिंतपूर्णी, ज्वालाजी, कांगड़ा, चामुंडा तथा बैजनाथ जैसे तीर्थ स्थलों को जोड़ दे।

## चिंतन-मनन

### दया, प्रेम, करुणा हमारी मूल प्रवृत्तियां हैं

मनुष्य-जीवन नाना प्रकार के प्रपंचों और प्रवृत्तियों का पुंज है। हम सब में अनेक भाव-कुभाव प्रत्येक पल मन-हृदय से टकराते रहते हैं। हमारा जीवन इन्हीं अच्छाइयों-बुराइयों के बीच व्यतीत होता रहता है। प्रेम और घृणा, उपकार और अपकार भी हमारे जीवन के अनिवार्य अंश हैं। जीवन में उपकार की प्रवृत्ति का अत्यंत महत्व है। दया, प्रेम, करुणा हमारी मूल प्रवृत्तियां हैं। इन्हीं से उपकार की भावना जाग्रत होती है। उपकार से व्यक्ति श्रेष्ठ बनता है। किसी आपदा में पड़े व्यंक्ति का आप उपकार करके देखें। उसका तो कल्याण होगा ही, किंतु इससे आपका मन प्रसन्नता से भर जाएगा। आपका रोम-रोम प्रफुल्लित हो उठेगा और आपके अंग-अंग में सैकड़ों सुमन खिलकर मुस्कराने लगेंगे। 1निःस्वार्थ उपकार में मिला सुख आपके जीवन को सार्थक कर देगा। कभी-कभी आप हम देखते हैं कि अचानक संकट की घड़ी में जब केवल भगवान का सहारा होता है, तब कोई आकर आपकी ऐसी सहायता कर देता है जिसकी आपने कल्पना भी नहीं की होती। सहायता करने वाला व्यंक्ति मात्र भगवत्‌ प्रेरणा के चलते ही अयाचित उपकार करके आपको चकित कर देता है, किंतु ऐसा करके उसे जो संतुष्टि मिलती है वही उसका समुचित पुरस्कार है। सच्चे मन और बिना किसी लालच के किया गया उपकार श्रेष्ठ माना गया है। इस उपकार के बदले में किसी प्रकार के प्रतिउपकार से आप यदि ऐसा कुछ करते हैं तो उसे श्रेष्ठता की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। हमारे यहां संतों ने कहा है कि यदि कोई आपका अपकार भी करे तो भी आप उसका उपकार ही करें। अपकार की भावना में हिंसा की अभिव्यंक्ति होती है और उपकार में प्रेम और त्याग की। यह प्रेम आपको ईश्वरीय पथ की ओर ले जाता है और अपकार की भावना से मन में प्रतिशोध उत्पन्न होता है जो पतन का परिचायक है। यह हमें ईश्वर से विमुख करता है। उपकार की सहज प्रवृत्ति सब में कुछ न कुछ अंश में होती है। यह साधु-पुरुषों की संगति से बढ़ती है। यदि हम किसी का उपकार करते हैं तो यह मानव-जीवन की बड़ी उपलब्धि है। किसी के दुख में सहायक बनकर आप उससे जो आशीर्वाद प्राप्त करते हैं वह आपके दोनों लोकों को संवारता है। यह जीवन क्षण भंगुर है। इसमें आप यदि अपने सार्मथ्य के अनुसार किसी व्यथित व्यंक्ति की सहायता करके उसे उबार लेते हैं तो इसका फल ईश्वर की ओर से आपको अवश्य मिलेगा।

# आँकड़ों की कसौटी पर खरा उतरा 'पीएम सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना'

विनोद कुमार सिंह

**हरित ऊर्जा,आर्थिक बचत और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक सफल जनआंदोलन...**

भारत आज जिस विकसित राष्ट्र के स्वप्न को साकार करने की दिशा में अग्रसर है,उसमें ऊर्जा आत्मनिर्भरता एक अत्यंत महत्वपूर्ण आधारशिला के रूप में उभर रही है। किसी भी देश की आर्थिक प्रगति,औद्योगिक विकास, पर्यावरणीय संतुलन और नागरिक जीवन की गुणवत्ता काफी हद तक उसकी ऊर्जा व्यवस्था पर निर्भर करती है। बीते वर्षों में भारत ने ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं,लेकिन बढ़ती जनसंख्या,तीव्र शहरीकरण और निरंतर बढ़ती बिजली मांग ने नीति निमार्ताओं के सामने नई चुनौतियाँ भी खड़ी की हैं। ऐसे समय में प्रधानमंत्री सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना केवल एक सरकारी योजना नहीं,बल्कि ऊर्जा क्षेत्र में जनभागीदारी पर आधारित एक व्यापक परिवर्तनकारी अभियान के रूप में सामने आई है।जून 2026 में इस योजना के दो वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर उपलब्ध आधिकारिक आँकड़े, जमीनी अनुभव और लाभार्थियों की प्रतिक्रियाएँ इस बात की पुष्टि करती हैं कि यह योजना देश में स्वच्छ ऊर्जा क्रांति की मजबूत आधारशिला बन चुकी है। फरवरी 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ की गई इस महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य केवल सौर ऊर्जा को बढ़ावा देना नहीं था, बल्कि आम परिवारों को ऊर्जा उत्पादक बनाना,उनके बिजली व्यय को कम करना तथा देश को स्वच्छ और टिकाऊ ऊर्जा व्यवस्था की ओर अग्रसर करना भी था। दो वर्षों के भीतर इस योजना ने जिस गति से प्रगति की है, वह इसे स्वतंत्र भारत की सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा योजनाओं में स्थान दिलाती है।योजना की मूल अवधारणा अत्यंत सरल किंतु दूरगामी प्रभाव वाली है। देश के एक करोड़ परिवारों की छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित कर उन्हें अपने उपयोग की बिजली स्वयं उत्पन्न करने में सक्षम बनाना तथा अतिरिक्त बिजली को ग्रिड में भेजकर आय अर्जित करने का अवसर उपलब्ध कराना इसका प्रमुख लक्ष्य है।केंद्र सरकार ने इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम के लिए 75 हजार करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान किया है। यह राशि केवल एक वित्तीय निवेश नहीं बल्कि ऊर्जा आत्मनिर्भर भारत की दिशा में किया गया दीर्घकालिक राष्ट्रीय निवेश है।दो वर्षों के भीतर प्राप्त उपलब्धियाँ इस योजना की सफलता की कहानी स्वयं बयान करती हैं। मार्च 2026 तक देशभर में 26 लाख से अधिक रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित किए जा चुके थे और लाभार्थियों को लगभग 18 हजार करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता सीधे उनके बैंक खातों में हस्तांतरित की जा चुकी थी। इससे स्पष्ट है कि योजना केवल कागजों तक सीमित नहीं रही, बल्कि करोड़ों नागरिकों के जीवन में प्रत्यक्ष परिवर्तन का माध्यम बनी है। उल्लेखनीय तथ्य यह भी है कि देश में प्रतिदिन लगभग 4500 नए सौर संयंत्र स्थापित किए जा रहे हैं। यह गति दर्शाती है कि आम जनता के बीच योजना की स्वीकार्यता लगातार बढ़ रही है।यदि इस योजना की सफलता को केवल स्थापित संयंत्रों की संख्या से नहीं बल्कि उसके सामाजिक और आर्थिक प्रभाव से देखा जाए तो तस्वीर और भी प्रभावशाली दिखाई देती है। आज देश में लाखों परिवार ऐसे हैं जिनके बिजली बिल में उल्लेखनीय कमी आई है। सरकारी सर्वेक्षणों से यह तथ्य सामने आया है कि योजना से जुड़े लगभग 71 प्रतिशत परिवारों ने अपने बिजली व्यय में स्पष्ट बचत का अनुभव किया है। यही नहीं, लाखों परिवार ऐसे भी हैं जिनका मासिक बिजली बिल शून्य या नगण्य स्तर तक पहुँच गया है।ऐसे समय में जब घरेलू बजट पर महंगाई का दबाव बना हुआ है, बिजली बिल में होने वाली यह बचत सीधे परिवारों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने का कार्य कर रही है।

इस योजना का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि इसने ऊर्जा क्षेत्र को लोकतांत्रिक स्वरूप प्रदान किया है। लंबे समय तक बिजली उत्पादन केवल बड़े बिजलीघरों, सरकारी संस्थाओं और निजी कंपनियों तक सीमित रहा। आम नागरिक बिजली का उपभोक्ता मात्र था।प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना ने इस व्यवस्था को बदलने का प्रयास किया है।अब नागरिक केवल बिजली उपभोक्ता नहीं बल्कि ऊर्जा उत्पादक भी बन रहा है।यह परिवर्तन केवल तकनीकी नहीं बल्कि आर्थिक और सामाजिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।योजना की सफलता का एक बड़ा कारण इसकी पारदर्शी और डिजिटल कार्यप्रणाली भी है। आवेदन से लेकर स्वीकृति, स्थापना,निरीक्षण और सब्सिडी वितरण तक की अधिकांश प्रक्रिया ऑनलाइन कर दी गई है।इससे पारदर्शिता बढ़ी है और भ्रष्टाचार तथा अनावश्यक देरी की संभावनाएँ कम हुई हैं।लाभार्थियों को सीधे बैंक खातों में सहायता राशि प्राप्त होने से व्यवस्था पर विश्वास भी मजबूत हुआ है।

राज्यों के प्रदर्शन पर दृष्टि डालें तो गुजरात इस योजना का सबसे सफल मॉडल बनकर सामने आया है। राज्य में पाँच लाख से अधिक रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित हो चुके हैं और लाखों परिवार इसका लाभ प्राप्त कर रहे हैं। महाराष्ट्र तथा उत्तर प्रदेश भी तेजी से आगे बढ़े हैं। राजस्थान, केरल, तमिलनाडु और हरियाणा जैसे राज्यों ने भी उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है।इन राज्यों की सफलता बताती है कि जहाँ प्रशासनिक सक्रियता, जनजागरूकता और वितरण कंपनियों का सहयोग बेहतर रहा, वहाँ योजना के परिणाम भी अधिक प्रभावशाली रहे हैं।हालाँकि उपलब्धियाँ जितनी उत्साहजनक हैं,चुनौतियाँ भी उतनी ही वास्तविक हैं।सर्वेक्षणों में पाया गया कि बड़ी संख्या में लोग अभी भी रूफटॉप सोलर प्रणाली की तकनीकी कार्यप्रणाली को पूरी तरह नहीं समझते। अनेक परिवार इसे बिजली कटौती के समय बैकअप स्रोत मानते हैं,जबकि सामान्य ग्रिड आधारित प्रणाली बिना बैटरी के ऐसा नहीं कर सकती। इसी प्रकार अनेक संभावित लाभार्थियों को उपलब्ध ऋण सुविधाओं और वित्तीय विकल्पों की जानकारी भी नहीं है। इसलिए योजना के अगले चरण में जागरूकता और तकनीकी परामर्श की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाएगी।

पर्यावरणीय दृष्टि से भी इस योजना का महत्व असाधारण है। भारत ने वैश्विक मंचों पर स्वच्छ ऊर्जा विस्तार और कार्बन उत्सर्जन में कमी का संकल्प लिया है। यदि योजना अपने निर्धारित लक्ष्य तक पहुँचती है तो आने वाले वर्षों में अरबों यूनिट हरित बिजली का उत्पादन होगा और करोड़ों टन कार्बन उत्सर्जन कम करने में सहायता मिलेगी।यह केवल सरकारी लक्ष्य नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित करने का प्रयास है।

प्रधानमंत्री सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना के दो वर्षों का मूल्यांकन करते समय यह स्पष्ट दिखाई देता है कि इसकी सफलता का आधार केवल सरकारी वित्तीय सहायता नहीं है।इसकी वास्तविक शक्ति जनविश्वास,तकनीकी विश्वसनीयता और प्रत्यक्ष आर्थिक लाभ में निहित है।जब कोई परिवार अपने बिजली बिल में बचत अनुभव करता है, तब वह स्वयं इस योजना का सबसे प्रभावी प्रचारक बन जाता है।

# नशाः राष्ट्र की जड़ों को खोखला करने वाली चुनौती

ललित गर्ग

भारत आज विश्व की सबसे युवा आबादी वाले देशों में अग्रणी है। देश की लगभग 65 प्रतिशत जनसंख्या 35 वर्ष से कम आयु की है। यह युवा शक्ति भारत की सबसे बड़ी सामर्थ्य, सबसे बड़ी पूंजी और उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। विज्ञान, तकनीक, उद्योग, शिक्षा, खेल और नवाचार के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों के पीछे इसी युवा शक्ति का योगदान है। किंतु विडंबना यह है कि आज यही युवा वर्ग नशे के बढ़ते जाल में फंसता जा रहा है। नशा अब केवल व्यक्तिगत कमजोरी या स्वास्थ्य संबंधी समस्या नहीं रह गया है, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक स्थिरता, आर्थिक विकास और सांस्कृतिक मूल्यों के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। देश के विभिन्न भागों में समय-समय पर करोड़ों और अरबों रुपये मूल्य के मादक पदार्थों की बरामदगी यह प्रमाणित करती है कि नशे का कारोबार संगठित अपराध का एक विशाल अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क बन चुका है। विशेष रूप से पंजाब, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, गुजरात तथा पूर्वोत्तर राज्यों में सीमापार से होने वाली तस्करी ने स्थिति को और अधिक गंभीर बना दिया है। सुरक्षा एजेंसियों द्वारा लगातार हेरोइन, अफीम, चरस, कोकीन तथा सिंथेटिक ड्रग्स की बड़ी खेपों को पकड़ा जाना इस बात का संकेत है कि भारत को नशे के बड़े बाजार के रूप में देखा जा रहा है।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो तथा विभिन्न सरकारी रिपोर्टों के अनुसार देश में लाखों युवा किसी न किसी प्रकार के मादक पदार्थों के सेवन के आदी हैं। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा कराए गए एक व्यापक अध्ययन में यह तथ्य सामने आया था कि करोड़ों भारतीय तंबाकू, शराब और अन्य नशीले पदार्थों का सेवन करते हैं तथा उनमें बड़ी संख्या युवाओं की है। चिंता की बात यह है कि स्कूल और कॉलेज स्तर तक नशे की पहुंच बढ़ रही है। अनेक राज्यों में ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां किशोरों को ड्रग्स के वितरण और तस्करी में इस्तेमाल किया गया। नशे के बढ़ते संकट का एक राष्ट्रीय सुरक्षा पक्ष भी है। अनेक सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान प्रत्यक्ष युद्ध में लगातार असफल होने के बाद भारत को अस्थिर करने के लिए आतंकवाद, नकली मुद्रा और नशे की तस्करी जैसे छद्म युद्ध के हथियारों का उपयोग करता रहा है। पंजाब में लंबे समय से सीमा पार से ड्रोन और अन्य माध्यमों द्वारा मादक पदार्थों की तस्करी के मामले सामने आते रहे हैं। अब जम्मू-कश्मीर में भी नशे के बढ़ते प्रभाव को इसी व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखा जा रहा है। आतंकवाद की कम होती गतिविधियों के बीच नशे का फैलाव एक नए खतरे के रूप में उभर रहा है, जिसका उद्देश्य युवा पीढ़ी को कमजोर करना और समाज की ऊर्जा को नष्ट करना है। इसी संदर्भ में जम्मू-कश्मीर में प्रारंभ किया गया 'नशामुक्त जम्मू-कश्मीर' अभियान महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के नेतृत्व में चल रहा यह अभियान प्रशासनिक कार्रवाई के साथ-साथ सामाजिक सहभागिता पर भी बल देता है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक संगठनों, धार्मिक समूहों तथा आम नागरिकों को जोड़ने का प्रयास किया गया है। कुलगाम सहित कई क्षेत्रों में विभिन्न समुदायों द्वारा इस अभियान को समर्थन दिया जाना इस बात का संकेत है कि नशे जैसी समस्या का समाधान सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। वास्तव में नशे का सबसे दुखद और भयावह प्रभाव युवा पीढ़ी पर पड़ता है। युवा जीवन ऊर्जा, सृजन और सपनों का प्रतीक होता है, किंतु नशा इन सभी संभावनाओं को नष्ट कर देता है। एक बार नशे की गिरफ्त में आने के बाद व्यक्ति धीरे-धीरे अपनी शारीरिक क्षमता, मानसिक संतुलन, आर्थिक स्थिति और सामाजिक प्रतिष्ठा खोने लगता है। उसका आत्मविश्वास कमजोर पड़ जाता है और वह अवसाद, तनाव तथा अपराध की दुनिया की ओर बढ़ सकता है। यही कारण है कि नशा केवल व्यक्ति को नहीं, पूरे परिवार को प्रभावित करता है। परिवार की आर्थिक स्थिति बिगड़ती है, पारिवारिक संबंध टूटते हैं और सामाजिक जीवन में अस्थिरता बढ़ती है।

नशे के विस्तार के पीछे केवल तस्करी जिम्मेदार नहीं है। इसके सामाजिक, आर्थिक और मनोवैज्ञानिक कारण भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं। बेरोजगारी, भविष्य की अनिश्चितता, बढ़ती प्रतिस्पर्धा, पारिवारिक तनाव, सामाजिक विघटन, अकेलापन, मानसिक अवसाद और गलत संगति युवाओं को नशे की ओर धकेलती है। आधुनिक उपभोक्तावादी संस्कृति ने भी कृत्रिम सुख और त्वरित आनंद की मानसिकता को बढ़ावा दिया है। जब जीवन में लक्ष्य, दिशा और सकारात्मक प्रेरणा का अभाव होता है, तब व्यक्ति नशे जैसे विनाशकारी विकल्पों की ओर आकर्षित हो सकता है। नशे और अपराध का संबंध भी अत्यंत गहरा है। अनेक अध्ययनों से यह स्पष्ट हुआ है कि चोरी, लूट, हिंसा, सड़क दुर्घटनाओं और अन्य अपराधों के पीछे नशे की भूमिका बढ़ती जा रही है। नशे की डोज प्राप्त करने के लिए युवा अपराध की राह पर उतर जाते हैं। इससे कानून-व्यवस्था प्रभावित होती है और समाज में असुरक्षा का वातावरण बनता है। सरकारें इस चुनौती से निपटने के लिए अनेक स्तरों पर प्रयास कर रही हैं। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, राष्ट्रीय जांच एजेंसी, सीमा सुरक्षा बल तथा राज्य पुलिस की संयुक्त कार्रवाइयों से कई बड़े ड्रग नेटवर्क ध्वस्त किए गए हैं। पंजाब, राजस्थान, गुजरात और जम्मू-कश्मीर में विशेष अभियान चलाकर तस्करों पर शिकंजा कसा गया है।

इस संदर्भ में सामाजिक और आध्यात्मिक आंदोलनों की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाती है। कानून भय पैदा कर सकता है, लेकिन जीवन में सकारात्मक परिवर्तन केवल जागरूकता और आत्मानुशासन से ही आता है। आचार्य तुलसी ने अणुव्रत आंदोलन के माध्यम से नशामुक्ति को एक व्यापक सामाजिक अभियान का स्वरूप दिया था। उन्होंने संयम, सदाचार और आत्मनियंत्रण के आधार पर लाखों लोगों को व्यसनमुक्त जीवन की प्रेरणा दी। अनेक क्षेत्रों में उनके अभियान ने उल्लेखनीय परिणाम दिए। आचार्य महाश्रमण ने भी अपनी ऐतिहासिक अहिंसा यात्रा के दौरान भारत और पड़ोसी देशों में लाखों लोगों को नशा त्यागने की प्रेरणा दी। उनकी पदयात्राओं का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य समाज में नैतिक चेतना जगाना और युवाओं को व्यसनमुक्त जीवन की ओर प्रेरित करना रहा। हजारों किलोमीटर की यात्राओं में उन्होंने गांव-गांव और शहर-शहर जाकर लोगों को यह संदेश दिया कि नशामुक्ति केवल स्वास्थ्य की सुरक्षा नहीं, बल्कि आत्मविकास, पारिवारिक सुख और राष्ट्र निर्माण का आधार है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि नशे के विरुद्ध बहुआयामी रणनीति अपनाई जाए। सीमाओं पर निगरानी और तकनीकी सुरक्षा को और मजबूत किया जाए। ड्रोन के माध्यम से होने वाली तस्करी को रोकने के लिए आधुनिक उपकरणों का उपयोग बढ़ाया जाए। नशा तस्करों के विरुद्ध त्वरित न्यायिक प्रक्रिया सुनिश्चित की जाए ताकि अपराधियों में कानून का भय पैदा हो। स्कूलों और कॉलेजों में नशा विरोधी शिक्षा को नियमित पाठ्यक्रम और गतिविधियों का हिस्सा बनाया जाए। युवाओं के लिए रोजगार, खेल, कौशल विकास और सांस्कृतिक गतिविधियों के अवसर बढ़ाए जाएं ताकि उनकी ऊर्जा सकारात्मक दिशा में प्रवाहित हो सके। इसके साथ ही पुनर्वास केंद्रों की संख्या और गुणवत्ता में भी सुधार आवश्यक है।

आज पंजाब, जम्मू-कश्मीर और अन्य प्रभावित राज्यों के लिए नशामुक्ति केवल सामाजिक सुधार का कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्र निर्माण का विषय बन चुका है। यह लड़ाई केवल सरकार या पुलिस नहीं जीत सकती। परिवार, विद्यालय, धार्मिक संस्थाएं, सामाजिक संगठन, मीडिया और जागरूक नागरिकों को मिलकर इसे जनआंदोलन बनाना होगा। जिस प्रकार स्वच्छ भारत अभियान ने जनभागीदारी से सफलता प्राप्त की, उसी प्रकार नशामुक्त भारत का सपना भी सामूहिक संकल्प और निरंतर प्रयासों से ही साकार हो सकता है। भारत की युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी संपदा है। यदि यह शक्ति नशे की गिरफ्त में चली गई तो राष्ट्र की प्रगति बाधित होगी, लेकिन यदि इसे स्वस्थ, संस्कारित, जागरूक और लक्ष्यनिष्ठ बनाया गया तो भारत विश्व के सामने एक नई शक्ति के रूप में उभरेगा। इसलिए नशे के विरुद्ध संघर्ष केवल एक सामाजिक अभियान नहीं, बल्कि राष्ट्र के भविष्य को सुरक्षित करने का संकल्प है।
(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

## संक्षिप्त समाचार

### पाकिस्तान में फ्रांसीसी महिला से गैंगरेप करने वाले 2 दोषियों की फांसी की सजा बरकरार

**लाहौर, एजेंसी।** पाकिस्तान की लाहौर हाईकोर्ट ने 2020 के चर्चित मोटरवे गैंगरेप केस में दो दोषियों की फांसी की सजा बरकरार रखी है। दोषियों ने फ्रेंच महिला पर्यटक को उसके तीन बच्चों के सामने कार से बाहर निकालकर गन पॉइंट पर गैंगरेप किया था। मार्च 2021 में एंटी टेररिज्म कोर्ट ने दोनों को गैंगरेप, अपहरण, लूट और आतंकवाद से जुड़े आरोपों में दोषी ठहराते हुए फांसी की सजा सुनाई थी। इसके बाद दोनों आरोपियों ने लाहैर हाईकोर्ट में फैसले के खिलाफ अपील की। अब लाहौर हाईकोर्ट ने दोषी आबिद अली और शफकत अली की अपील खारिज कर दी है। यह घटना सितंबर 2020 में सियालकोट-लाहौर मोटरवे पर हुई थी। फ्रांसीसी मूल की महिला अपने तीन बच्चों के साथ सफर कर रही थी, तभी उसकी कार का पेट्रोल खत्म हो गया। जांच के मुताबिक, महिला कार के अंदर मदद का इंतजार कर रही थी। इसी दौरान आरोपियों ने कार का शीशा तोड़ा, महिला को बाहर घसीटा और बंदूक की नोक पर बच्चों के सामने गैंगरेप किया। आरोपियों ने नकदी, गहने और बैंक कार्ड भी लूट लिए थे।

### ट्रेनिंग के दौरान ब्रिटिश नेवी का हेलिकॉप्टर क्रैश, तीन सैनिकों की मौत

**लंदन, एजेंसी।** ब्रिटेन की रॉयल नेवी का एक हेलिकॉप्टर बुधवार को ट्रेनिंग के दौरान क्रैश हो गया। हादसे में हेलिकॉप्टर में सवार तीन सैनिकों की मौत हो गई। यह दुर्घटना इंग्लैंड के डेवोन इलाके में सुबह करीब 4 बजे हुई, जब हेलिकॉप्टर एक खेत में गिरा। रॉयल नेवी के प्रमुख जनरल ग्विन जेनकिंस ने कहा कि मर्लिन एमके-4 हेलिकॉप्टर में सवार तीन क्रू मेंबर इस हादसे में जान गंवा बैठे। हादसा कैसे हुआ, इसका अभी पता नहीं चल पाया है। मामले की जांच जारी है। रॉयल नेवी के मुताबिक मर्लिन एमके-4 हेलिकॉप्टर में आमतौर पर चार लोग सवार होते हैं और यह 24 सैनिकों को ले जा सकता है। इसका इस्तेमाल समुद्र में गश्त, बचाव अभियान, सामान पहुंचाने और पनडुब्बियों की निगरानी जैसे कामों में किया जाता है। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि मृत जवानों के परिवारों को घटना की जानकारी दे दी गई है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने इस हादसे को बेहद दुखद बताया और जवानों के परिवारों के प्रति संवेदना जताई।

### संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की सीट नहीं मिलने के पीछे रूस का विरोध : जर्मन विदेश मंत्री

**वाशिंगटन डीसी, एजेंसी।** संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अस्थायी सदस्यता के चुनाव में जर्मनी को हार का सामना करना पड़ा है। जर्मन विदेश मंत्री योहान वाडेफुल ने इस नतीजे को 'कड़वी हार' बताते हुए कहा कि यूक्रेन और इजराइल के समर्थन में जर्मनी के रुख तथा रूस के विरोध की वजह से उसे पर्याप्त समर्थन नहीं मिल सका। बुधवार को हुए मतदान में पश्चिमी यूरोपीय और अन्य देशों के समूह की दो सीटों के लिए चुनाव हुआ। इसमें पुर्तगाल को 134 और ऑस्ट्रिया को 131 वोट मिले, जबकि जर्मनी को केवल 104 वोट मिले। वाडेफुल ने कहा कि रूस नहीं चाहता था कि जर्मनी की आवाज सुरक्षा परिषद तक पहुंचे। उन्होंने आरोप लगाया कि रूस ने जर्मनी के खिलाफ माहौल बनाने की कोशिश की। हालांकि, रूस ने इन आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। जर्मन विदेश मंत्री ने यह भी कहा कि मध्य पूर्व संघर्ष में इजराइल के प्रति जर्मनी की विशेष जिम्मेदारी और उसके समर्थन का भी चुनावी परिणाम पर असर पड़ा हो सकता है। उन्होंने कहा कि जर्मनी कई मुद्दों पर स्पष्ट और सिद्धांत आधारित रुख अपनाता है, जिससे सभी सदस्य देश सहमत नहीं होते। चुनाव में किर्गिस्तान, त्रिनिदाद और टोबैगो तथा जिम्बाब्वे भी सुरक्षा परिषद के नए अस्थायी सदस्य चुने गए। जर्मनी की हार को चांसलर फ्रेडरिक मर्ज के लिए एक झटका माना जा रहा है। विपक्षी दलों का कहना है कि मर्ज अंतरराष्ट्रीय मंच पर जर्मनी की भूमिका मजबूत करने का केवल दावा करते रहे हैं। दूसरी ओर मर्ज ने चुनाव परिणाम को स्वीकार करते हुए ऑस्ट्रिया और पुर्तगाल को बधाई दी और कहा कि जर्मनी बहुपक्षीय व्यवस्था का भरोसेमंद स्तंभ बना रहेगा।

### डोनाल्ड ट्रंप ने किया टॉड ब्लैंच को अटॉर्नी जनरल बनाने का एलान

**वाशिंगटन, एजेंसी।** राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को घोषणा की कि वह टॉड ब्लैंच को अटॉर्नी जनरल के पद पर नामित करेंगे। ब्लैंच, जो ट्रंप के पूर्व निजी वकील रह चुके हैं, ने कार्यवाहक भूमिका में न्याय विभाग का नेतृत्व करते हुए रिपब्लिकन राष्ट्रपति के एजेंडे को आक्रामक रूप से आगे बढ़ाया है। व्हाइट हाउस में एक रात्रिभोज के दौरान, ट्रंप ने कहा कि उनकी योजना गुरुवार को औपचारिक रूप से ब्लैंच को नामित करने की है। यह जानकारी व्हाइट हाउस के एक सहायक द्वारा सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो के अनुसार है।

## ट्रंप के खिलाफ बागी हुए उनके ही सांसद, विपक्षी दल से मिलाया हाथ; अब रुकेगा ईरान युद्ध?

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बड़ा झटका लगा है। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने एक ऐसा प्रस्ताव पास कर दिया है, जो ईरान के खिलाफ चल रहे युद्ध में ट्रंप की शक्तियों को सीमित कर देगा। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इस प्रस्ताव को पास कराने के लिए ट्रंप की अपनी रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों ने भी बगावत कर दी और विपक्षी दल डेमोक्रेट्स के साथ मिलकर वोट किया।

**क्या है प्रस्ताव में और कैसे हुई वोटिंग :** प्रतिनिधि सभा में इस 'वॉर पॉवर्स रेजोल्यूशन' (युद्ध शक्ति प्रस्ताव) के पक्ष में 215 और विरोध में 208 वोट पड़े। ट्रंप के लिए सबसे बड़ी चिंता की बात यह रही कि चार रिपब्लिकन सांसदों ने पार्टी लाइन से हटकर डेमोक्रेट्स के पक्ष में वोट किया। वहीं, किसी भी डेमोक्रेट सांसद ने इस प्रस्ताव के खिलाफ वोट नहीं किया।

**ट्रंप को क्या निर्देश :** इस प्रस्ताव के तहत राष्ट्रपति ट्रंप को साफ निर्देश दिया गया है कि जब तक अमेरिकी संसद (कांग्रेस) औपचारिक तौर पर युद्ध की घोषणा नहीं करती या सैन्य बल के इस्तेमाल की मंजूरी नहीं देती, तब तक अमेरिकी सैनिकों को ईरान से वापस बुलाया जाए। प्रस्ताव के प्रायोजक प्रतिनिधि ग्रेगरी मीक्स ने इसे एक 'बड़ा टर्निंग पॉइंट' बताते हुए कहा कि अब रिपब्लिकन सांसद भी उन स्थानीय लोगों की आवाज सुन रहे हैं, जो मिडिल ईस्ट में एक और अंतहीन युद्ध नहीं चाहते।

**क्या अब सच में रुक जाएगा ईरान युद्ध :** भले ही यह प्रस्ताव पास हो गया है, लेकिन इसे फिलहाल 'प्रतीकात्मक' ही माना जा रहा है। इसे कानून बनने और पूरी तरह लागू होने के लिए अभी सीनेट से भी पास होना होगा। सबसे बड़ी बाधा खुद व्हाइट हाउस है, क्योंकि राष्ट्रपति ट्रंप के पास वीटो का अधिकार है जिससे वह इस बिल को ब्लॉक कर सकते हैं।

हालांकि, यह वोटिंग दिखाती है कि तीन महीने से चल रहे इस युद्ध को लेकर खुद रिपब्लिकन पार्टी में कितनी चिंता बढ़ गई है। बता दें कि इसी साल 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर संयुक्त हमले शुरू किए थे, जिसके बाद जून में अब यह युद्ध अपने चौथे महीने में प्रवेश कर चुका है।

**इन फैसलों पर भी ट्रंप के खिलाफ गए अपने ही सांसद :** ईरान युद्ध ही नहीं, कई अन्य मुद्दों पर भी रिपब्लिकन सांसद ट्रंप के खिलाफ खड़े नजर आ रहे हैं।

**यूक्रेन को सैन्य मदद:** प्रतिनिधि सभा ने 'यूक्रेन सपोर्ट एक्ट' पर वोटिंग का रास्ता साफ कर दिया है। रूस के खिलाफ लड़ रहे यूक्रेन को सैन्य मदद देने वाले इस कदम के समर्थन में भी 6 रिपब्लिकन और एक निर्दलीय सांसद ने वोट किया।

**वेपनाइजेशन' फंड का विरोध:** राजनीतिक सहयोगियों को फायदा पहुंचाने के लिए ट्रंप द्वारा बनाए जा रहे 'वेपनाइजेशन' फंड की योजना के खिलाफ भी रिपब्लिकन सांसदों ने बगावत की। खुफिया प्रमुख की नियुक्ति पर नाराजगी: बिल पुल्टे को नेशनल इंटेलिजेंस का कार्यवाहक निदेशक बनाने पर भी रिपब्लिकन सांसदों ने ट्रंप की तीखी आलोचना की है। सांसदों का कहना है कि पुल्टे के पास राष्ट्रीय सुरक्षा का कोई अनुभव नहीं है।

**चुनाव से पहले विपक्ष को मिला बड़ा हथियार :** डेमोक्रेट्स का कहना है कि अमेरिकी संविधान के मुताबिक सिर्फ संसद ही युद्ध की घोषणा कर सकती है, राष्ट्रपति नहीं। विपक्ष ने आरोप लगाया है कि बिना किसी साफ रणनीति के ट्रंप ने देश को एक लंबे युद्ध में धकेल दिया है।

इस युद्ध का असर अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर भी दिख रहा है। युद्ध शुरू होने के बाद से ही अमेरिका में गैस, खाने-पीने की चीजों और अन्य उत्पादों की कीमतें आसमान छूने लगी हैं। अप्रैल में थोक महंगाई दर चार साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। नवंबर में होने वाले मिडटर्म चुनाव से पहले डेमोक्रेट्स ने इस महंगाई को अपना सबसे बड़ा चुनावी मुद्दा बना लिया है।

दूसरी तरफ, ट्रंप प्रशासन लगातार इस बात पर अड़ा है कि अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए और ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकने के लिए यह युद्ध बेहद जरूरी है। वहीं, रिपब्लिकन समर्थकों का कहना है कि डेमोक्रेट्स यह सब सिर्फ राजनीतिक फायदे और ट्रंप को कमजोर करने के लिए कर रहे हैं।

## कुवैत ने मिसाइल और ड्रोन हमलों को किया नष्ट, ईरान का अमेरिकी बेस पर हमले का दावा

**कुवैत सिटी, एजेंसी।** अमेरिका और ईरान के बीच जारी शांतिवार्ता खटाई में पड़ती जा रही है. एक बार फिर दोनों देशों के बीच शांति प्रयासों के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है. जानकारी के मुताबिक ईरान ने बुधवार 3 जून को कुवैत और बहरीन में अमेरिकी सेना के ठिकानों को निशाना बनाया. ड्रोन और मिसाइलों से जमकर हमले किए. वहीं, जवाबी कार्रवाई में अमेरिकी सेना ने भी ईरान के कुछ ठिकानों पर बमबारी की.

दोनों देशों के हालातों पर बात करते हुए एक कुवैती आर्मी के जनरल स्टाफ ने कंफर्म किया कि लोगों ने जिन धमाकों की रिपोर्ट की है, वे सीधे तौर पर टैक्टिकल यूनिट्स के डिफेंसिव ऑपरेशन से जुड़े थे, जो आने वाले वेक्टर्स को न्यूट्रलाइज कर रहे थे. मिलिट्री कमांड ने पुष्टि करते हुए कहा कि कुवैती एयर डिफेंस अभी दुश्मन के मिसाइल और ड्रोन हमलों का सामना कर रहे हैं. आर्मी के जनरल स्टाफ ने कहा कि अगर धमाके की आवाजें सुनाई देती हैं, तो वे एयर डिफेंस सिस्टम के दुश्मन के हमलों को रोकने का नतीजा हैं.

अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अधिकारी ने बताया कि तेहरान के ड्रोन और मिसाइलों से किए हमले सफल नहीं हुए. उन्हें बीच रास्ते में ही नष्ट कर दिया गया. वे अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच सके. बता दें, बहरीन पर भी 3 मिसाइलें दागी गईं, लेकिन अमेरिकी और बहरीन एयर डिफेंस सिस्टम ने सभी को इंटरसेप्ट कर लिया. सुरक्षा प्रोटोकॉल को मजबूत करते हुए, रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता कर्नल सऊद अब्दुलअजीज अल-ओतैबी ने नागरिकों और विदेशी निवासियों, दोनों से बहुत ज्यादा सावधानी बरतने और कोई भी अजीब मलबा मिलने पर तुरंत 112 हॉटलाइन पर इमरजेंसी सर्विस को बताने की अपील की.

कर्नल अल-ओतैबी ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की, और कहा कि वे सिर्फ सरकार के मंजूर इन्फॉर्मेशन नेटवर्क से ही खबरों की पुष्टि करें और सुरक्षा के नियमों का सख्ती से पालन करें. मिलिट्री लीडरशिप ने इस निर्देश पर फिर से जोर देते हुए कहा कि आर्मी का जनरल स्टाफ सभी से सहयोग करने और सभी की सुरक्षा और सेफ्टी बनाए रखने के लिए जारी गाइडलाइंस का पालन करने की अपील करता है. बता दें, हमले के बाद पूरे कुवैत में अलार्म बज रहे हैं.

## ईरान के परमाणु हथियार प्रदर्शन की चेतावनी वाली खबरों को रुबियो ने बताया बेबुनियाद

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने उन खबरों को खारिज कर दिया है जिनमें दावा किया गया था कि पाकिस्तान ने अमेरिका को एक संदेश भेजकर चेतावनी दी थी कि अगर मौजूदा संघर्ष और बढ़ा, तो ईरान अपनी परमाणु क्षमता का प्रदर्शन कर सकता है। रुबियो ने साफ कहा कि ट्रंप प्रशासन तक ऐसा कोई संदेश नहीं पहुंचा था। यह मामला बुधवार (स्थानीय समयानुसार) को हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी की सुनवाई के दौरान सामने आया। प्रतिनिधि स्कॉट पेरी ने रुबियो से पूछा कि क्या पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से यह संदेश दिया था कि यदि तनाव और बढ़ता है, तो ईरान परमाणु हथियार होने का प्रदर्शन करने के लिए तैयार है। ऐसी खबरें सार्वजनिक रूप से सामने आई हैं। इस पर रुबियो ने दावे को नकार दिया।

उन्होंने कहा, 'मैंने ऐसी कोई रिपोर्ट नहीं देखी है और मुझे ऐसे किसी संदेश की जानकारी भी नहीं है।' जब पेरी ने दोबारा सवाल किया और मीडिया रिपोर्टों का हवाला दिया, तब भी रुबियो ने इस बात से खुद को अलग रखा। उन्होंने कहा, 'अगर ऐसा कोई संदेश भेजा गया होता, तो मुझे हैरानी होती। अगर ऐसा हुआ होता, तो मुझे इसकी जानकारी जरूर होती।' यह बातचीत उस समय हुई जब कांग्रेस में ईरान के साथ चल रही बातचीत को लेकर भी सवाल पूछे जा रहे थे। कई महीनों के सैन्य तनाव के बाद अमेरिका एक नए समझौते की कोशिश कर रहा है, जिसका उद्देश्य ईरान की परमाणु गतिविधियों पर सीमाएं तय करना है। पेरी ने यह भी पूछा कि अगर कूटनीतिक बातचीत विफल हो जाती है और ईरान परमाणु क्षमता का प्रदर्शन करने या परीक्षण करने की धमकी देता है, तो प्रशासन की प्रतिक्रिया क्या होगी। रुबियो ने कहा कि ऐसा कदम ईरान की मंशा को लेकर पहले से मौजूद चिंताओं को सही साबित करेगा। उन्होंने कहा कि? मुझे लगता है कि इससे वही साबित होगा जो हम पहले से उनके बारे में मानते रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में राष्ट्रपति को दूसरे विकल्पों पर विचार करना पड़ सकता है। रुबियो ने कहा, 'मुझे लगता है कि तब राष्ट्रपति को इस परिस्थिति में उपलब्ध दूसरे विकल्पों पर आगे बढ़ना होगा।

## बेरूत पर हमला हुआ तो ईरान सैन्य जवाब देने को तैयार : अराघची

**तेहरान, एजेंसी।** ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने चेतावनी दी है कि अगर इजरायल बेरूत पर हमला करता है, तो ईरान जवाबी कार्रवाई करेगा। उन्होंने कहा कि तेहरान ने सभी पक्षों को साफ बता दिया है कि वह लेबनान की राजधानी पर किसी भी हमले को बर्दाश्त नहीं करेगा और ऐसा कदम फिर से युद्ध शुरू होने की वजह बन सकता है। बुधवार को (स्थानीय समयानुसार) लेबनान के टीवी चैनल अल मयादीन को दिए गए एक इंटरव्यू में अराघची ने कहा कि ईरान की सेना पूरी तरह तैयार है और अगर बेरूत पर हमला होता है तो वह इजरायल के खिलाफ कार्रवाई कर सकती है। सí?न्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, अराघची ने आरोप लगाया कि इजरायल ने हाल के दिनों में ईरान और लेबनान दोनों जगह युद्धविराम का उल्लंघन किया है। उन्होंने कहा कि मौजूदा संघर्ष में ईरान और लेबनान की स्थिति एक-दूसरे से जुड़ी हुई है, इसलिए किसी भी युद्धविराम या समझौते में दोनों देशों को शामिल किया जाना चाहिए।

उन्होंने बताया कि तेहरान और वॉशिंगटन के बीच संदेशों के आदान-प्रदान के जरिए बातचीत जारी है, लेकिन अभी तक कोई बड़ी प्रगति नहीं हुई है। दोनों पक्ष आपस में भेजे गए मसौदों की समीक्षा कर रहे हैं और अंतिम समझौते का रूप तैयार करने की कोशिश कर रहे हैं।

उन्होंने दोहराया कि ईरान 'सम्मान और गरिमा पर आधारित शांति और सुरक्षा' चाहता है और युद्ध नहीं चाहता। उन्होंने कहा कि तेहरान ने बातचीत के प्रस्तावों का सकारात्मक जवाब दिया है, हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि ईरान की सेना किसी भी समय फिर से सैन्य अभियान शुरू करने के लिए तैयार है और लंबे समय तक युद्ध लड़ने की क्षमता रखती है।

पिछले कुछ हफ्तों में ईरान और अमेरिका ने पाकिस्तान की मध्यस्थता के जरिए शांति की शर्तों से जुड़े कई प्रस्तावों का आदान-प्रदान किया है। दोनों देश युद्ध खत्म करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) को अंतिम रूप देने पर काम कर रहे हैं। ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तस्नीम ने सोमवार को रिपोर्ट दी थी कि लेबनान में इजरायल की ताजा कार्रवाइयों के विरोध में तेहरान ने वॉशिंगटन के साथ मध्यस्थों के जरिए संदेशों का आदान-प्रदान रोक दिया है। कुछ ही घंटों बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस खबर का खंडन करते हुए कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत तेजी से जारी है।

## कैपिटल हिंसा मामले में दोषी व्यक्ति पेंटागन में नियुक्त

**पेंटागन, एजेंसी।** अमेरिका में 6 जनवरी 2021 को कैपिटल भवन पर हुए हमले के मामले में दोषी ठहराए गए एक व्यक्ति को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने पेंटागन में महत्वपूर्ण पद पर नियुक्त किया है। इस फैसले को लेकर राजनीतिक विवाद शुरू हो गया है। पेंटागन के अनुसार, एलियास इरिजारी को रक्षा विभाग के नीति कार्यालय में राजनीतिक नियुक्ति के तहत जिम्मेदारी दी गई है। यह कार्यालय रक्षा मंत्री को राष्ट्रीय सुरक्षा, सैन्य रणनीति और रक्षा योजनाओं से जुड़े मामलों में सलाह देता है। इरिजारी 6 जनवरी 2021 को अमेरिकी संसद भवन (कैपिटल) पर हुए हमले में शामिल था। उस समय वह दक्षिण कैरोलिना के एक सैन्य कॉलेज का छात्र था। अदालत के दस्तावेजों के अनुसार, वह टूटी हुई खिड़की से कैपिटल भवन में दाखिल हुआ, परिसर के अंदर घूमता रहा और तस्वीरें भी लीं। बाद में उसने अवैध प्रवेश के आरोप को स्वीकार कर लिया था। साल 2023 में अदालत ने उसे अवैध रूप से प्रवेश करने के मामूली अपराध में 14 दिन की जेल की सजा सुनाई थी। सजा से पहले उसने अदालत में अपने किए पर पछतावा जताते हुए कहा था कि उसके कार्यों से उसे, उसके परिवार और देश को शर्मिंदगी उठानी पड़ी।

पेंटागन के कार्यवाहक प्रेस सचिव ने कहा कि इरिजारी एक योग्य और देशभक्त युवा पेशेवर हैं तथा विभाग को उनकी नियुक्ति पर गर्व है। हालांकि, इस फैसले की आलोचना भी हो रही है। सीनेट की खुफिया समिति के वरिष्ठ डेमोक्रेट सदस्य मार्क वार्नर ने सवाल उठाया कि कैपिटल हिंसा में दोषी व्यक्ति को राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े कार्य कैसे सौंपे जा सकते हैं। यह पहला मामला नहीं है। ट्रंप प्रशासन में कैपिटल हमले से जुड़े अन्य लोगों को भी सरकारी पद दिए गए हैं। जनवरी में व्हाइट हाउस लौटने के बाद ट्रंप ने 6 जनवरी हमले से जुड़े लगभग 1,600 आरोपियों के मामलों में माफी, सजा में राहत या मुकदमे खत्म करने जैसे कदम उठाए थे। इससे यह मुद्दा अमेरिकी राजनीति में फिर चर्चा का विषय बन गया है।

**जी-7 शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे राष्ट्रपति ट्रंप : वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पुष्टि की है कि वह इस महीने फ्रांस में होने वाले जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। यह सम्मेलन 15 से 17 जून तक फ्रांस के एवियन-ले-बैंस शहर में आयोजित किया जाएगा। ऐसे समय में यह बैठक हो रही है, जब ईरान को लेकर अमेरिका और उसके पारंपरिक सहयोगी देशों के बीच मतभेद बढ़े हुए हैं। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर अपनी यात्रा की जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि वह 14 जून को व्हाइट हाउस परिसर में आयोजित होने वाली यूएफसी विश्व चैंपियनशिप फाइट्स देखने के बाद सीधे फ्रांस रवाना होंगे। ट्रंप ने इस आयोजन को अमेरिकी इतिहास की सबसे मनोरंजक रातों में से एक बताया। हाल के दिनों में ट्रंप ने जर्मनी, फ्रांस और ब्रिटेन जैसे प्रमुख जी-7 देशों की आलोचना की थी। इसी कारण शुरुआत में उनके जी-7 सम्मेलन में शामिल होने को लेकर अनिश्चितता बनी हुई थी। यह सम्मेलन ट्रंप के लिए खास माना जा रहा है, क्योंकि फरवरी में अमेरिका और इस्राइल द्वारा ईरान के खिलाफ संयुक्त सैन्य अभियान शुरू किए जाने के बाद यह पहली बार होगा जब वह कई वैश्विक नेताओं से आमने-सामने मुलाकात करेंगे।

## इमरान खान की रिहाई को लेकर उनकी ही पार्टी में बगावत, कई विधायक बोले- बयानबाजी से नहीं आएंगे जेल से बाहर

**पेशावर, एजेंसी।** पाकिस्तान की सत्तारूढ़ पार्टी पाकिस्तान तारीक-ए-इंसाफ में आंतरिक कलह खुलकर सामने आ गई है। खैबर पख्तूनख्वा के कई नाराज विधायकों ने पार्टी नेतृत्व पर तीखा हमला बोलते हुए जेल में बंद संस्थापक इमरान खान की रिहाई के लिए प्रभावी प्रयास नहीं करने का आरोप लगाया है।

**विधायकों ने की आपात बैठक :** डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, हालिया कैबिनेट विस्तार में पद नहीं मिलने से नाराज विधायकों ने पेशावर में एक आपात बैठक की और पार्टी अध्यक्ष बैरिस्टर गोहर अली को एक पत्र भेजा। पत्र में कहा गया कि इमरान खान की रिहाई और उनके स्वास्थ्य को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों में गहरी चिंता है।

**पार्टी नेतृत्व पर क्या आरोप लगे :** विधायकों ने आरोप लगाया कि इमरान खान की रिहाई के लिए चलाया जा रहा आंदोलन केवल बयानबाजी, सीमित विरोध प्रदर्शनों और प्रतीकात्मक गतिविधियों तक सिमटकर रह गया है। उन्होंने नेतृत्व से अधिक प्रभावी, संगठित और परिणाम देने वाली नई रणनीति बनाने की मांग की।

**खैबर पख्तूनख्वा सरकार के कामकाज पर उठे सवाल :** पत्र में खैबर पख्तूनख्वा सरकार के कामकाज पर भी गंभीर सवाल उठाए गए। विधायकों ने भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद, संसाधनों के कथित अनुचित वितरण और निर्वाचित प्रतिनिधियों से बिना सलाह लिए फैसले करने के आरोप लगाए। उन्होंने प्रशासन में पारदर्शिता, योग्यता आधारित व्यवस्था और संस्थागत अनुशासन लागू करने की मांग की।

नाराज नेताओं ने स्पष्ट किया कि वे इमरान खान की विचारधारा और पार्टी के विजन के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं व किसी गुट या व्यक्ति विशेष के एजेंडे का हिस्सा नहीं हैं। साथ ही उन्होंने इमरान खान समेत जेल में बंद पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के लिए प्रभावी कानूनी सहायता तथा उनके परिवारों के समर्थन की व्यवस्था करने की भी मांग की।

**कैबिनेट में जगह नहीं मिलने से विधायक असंतुष्ट :** रिपोर्ट के मुताबिक, करीब 20 विधायक कैबिनेट में जगह नहीं मिलने से असंतुष्ट हैं। इन विधायकों ने मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी द्वारा बुलाई गई संसदीय बैठक का बहिष्कार किया और इसके बजाय रावलपिंडी स्थित अदियाला जेल के बाहर प्रदर्शन करने पहुंचे। वहीं, पार्टी अध्यक्ष बरिस्टर गोहर अली ने फिलहाल इस आंतरिक विरोध पर सार्वजनिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। बताया जा रहा है कि वे इन दिनों पाकिस्तान-अधिकृत गिलगित-बाल्टिस्तान में पार्टी के चुनाव अभियान में व्यस्त हैं।

## स्थानीय चुनाव में 12 प्रांत जीते, फिर भी अधूरी रही खुशी; सियोल में मात खा गई ली की पार्टी

**सियोल, एजेंसी।** दक्षिण कोरिया में बुधवार को हुए स्थानीय चुनावों में राष्ट्रपति ली जे म्युंग की सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक पार्टी ने अधिकांश सीटों पर जीत दर्ज की। लेकिन राजधानी सियोल के मेयर पद की सबसे अहम लड़ाई हार गई। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, यह परिणाम राष्ट्रपति ली के लिए मिला-जुला संदेश है, क्योंकि उनकी पार्टी ने बड़ी सफलता हासिल की, लेकिन सबसे प्रतिष्ठित चुनावी मुकाबला गंवा दिया।

**डेमोक्रेटिक पार्टी ने 12 पदों पर जीत हासिल की :** करीब सभी मतों की गिनती पूरी होने तक डेमोक्रेटिक पार्टी ने 16 में से 12 मेयर और प्रांतीय गवर्नर पदों पर जीत दर्ज की। वहीं मुख्य विपक्षी पीपल पावर पार्टी (क्क्क) ने चार सीटें जीतीं, जिनमें सियोल मेयर का पद भी शामिल है। डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता जंग चुंग-राय ने सियोल में हार को दर्दनाक बताया, हालांकि अन्य क्षेत्रों में मिली जीत के लिए मतदाताओं का आभार जताया।

**राष्ट्रपति ली के एक वर्ष पूरे होन के दिन हुआ चुनाव :** यह चुनाव राष्ट्रपति ली के कार्यकाल का एक वर्ष पूरा होने के दिन हुआ। ली को अभी भी 60 प्रतिशत से अधिक जनसमर्थन प्राप्त है। उनकी सरकार को अमेरिका और जापान के साथ संबंधों को संतुलित रखने वाली व्यावहारिक कूटनीति, मजबूत शेयर बाजार और सरकारी फैसलों में पारदर्शिता बढ़ाने के प्रयासों का लाभ मिला है।

**सियोल पर किसने जीत हासिल की :** हालांकि सियोल मेयर पद पर डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार चोंग वोन-ओ शुरुआती रुझानों में आगे थे, लेकिन मतगणना आगे बढ़ने के साथ मौजूदा मेयर ओह से-हून ने बढ़त बना ली और अंततः जीत दर्ज की।

जीत के बाद ओह से-हून ने कहा कि सियोल के नागरिकों ने यह सुनिश्चित किया है कि देश किसी एक दिशा में अत्यधिक न झुके और लोकतंत्र का संतुलन बना रहे। वहीं डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार चोंग वोन-ओ ने हार स्वीकार करते हुए कहा कि वे जनता के फैसले को विनम्रता से स्वीकार करते हैं।

**चुनाव के दौरान क्या गड़बड़ी हुई :** चुनाव के दौरान सियोल के कुछ मतदान केंद्रों पर मतपत्रों की कमी के कारण मतदान अस्थायी रूप से रोकना पड़ा, जिसके बाद विवाद खड़ा हो गया। पीपीपी ने इस घटना को मतदाताओं के अधिकारों का उल्लंघन बताते हुए जांच के आधार पर दोबारा चुनाव कराने की मांग की, जबकि डेमोक्रेटिक पार्टी ने इसे खारिज कर दिया।

**सबसे चर्चा में किसकी जीत रही :** इस बीच, संसद के उपचुनावों में भी डेमोक्रेटिक पार्टी ने 14 में से नौ सीटें जीतकर अपनी संसदीय बढ़त और मजबूत कर ली। हालांकि सबसे चर्चित जीत पूर्व पीपीपी नेता हान डोंग-हून की रही, जिन्होंने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में बुसान से जीत दर्ज की। हान डोंग-हून ने जीत के बाद कहा कि वे दक्षिण कोरिया के रूढ़िवादी खेमे का पुनर्निर्माण करेंगे और सरकार पर लोकतांत्रिक संतुलन बनाए रखने का दबाव बनाए रखेंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि स्थानीय स्तर पर डेमोक्रेटिक पार्टी की बढ़ती पकड़ राष्ट्रपति ली को क्षेत्रीय नीतियों को लागू करने में मदद करेगी, लेकिन सियोल की हार यह संकेत देती है कि विपक्ष अभी भी देश की राजनीति में महत्वपूर्ण ताकत बना हुआ है।

## कैलिफोर्निया में 10 लोगों को बंधक बनाया, FBI ने संदिग्ध को किया ढेर

**बेकर्सफील्ड , एजेंसी।** अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य के बेकर्सफील्ड शहर में एक व्यक्ति ने कार्यालय भवन के भीतर 10 लोगों को बंधक बना लिया। यह गतिरोध 15 घंटे से अधिक समय तक चला। पुलिस के अनुसार, संदिग्ध ने बैंक भवन में खुद को लोगों के साथ बंद कर लिया था। घटना की सूचना बम की धमकी मिलने के बाद मिली थी। बुधवार तड़के एफबीआई की कार्रवाई के दौरान संदिग्ध मारा गया। पुलिस ने बताया कि सभी बंधकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया और किसी को चोट नहीं पहुंची। मामले की जांच जारी है।

संक्षिप्त डायरी

## पंचायत सहायकों ने मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन, मानदेय वृद्धि सहित कई मांगें उठाई

**देवरिया (एजेंसी)** उत्तर प्रदेश में देवरिया जनपद के गौरी बाजार विकास खंड के पंचायत सहायकों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन गुरुवार को भेजा है। यह ज्ञापन खंड विकास अधिकारी गौरी बाजार के माध्यम से प्रेषित किया गया, जिसमें पंचायत सहायकों की समस्याओं के समाधान के लिए शीघ्र कार्रवाई की मांग की गई है। ज्ञापन में पंचायत सहायकों ने कहा कि वे ग्राम पंचायतों में डिजिटल सेवाओं, प्रशासनिक कार्यों और विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इसके बावजूद उनका वर्तमान मानदेय और सेवा शर्तें उनकी जिम्मेदारियों के अनुरूप नहीं हैं। पंचायत सहायकों का कहना है कि मौजूदा मानदेय बढ़ती महंगाई और जीवन-यापन की आवश्यकताओं के मुकाबले काफी कम है। इससे परिवार के भरण-पोषण, बच्चों की शिक्षा तथा स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को पूरा करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने मांग की है कि पंचायत सहायकों का मानदेय बढ़ाकर ग्राम पंचायत सचिव के समकक्ष किया जाए अथवा न्यूनतम कुशल मजदूरी दर के अनुरूप भुगतान सुनिश्चित किया जाए। इसके अलावा अनुबंध व्यवस्था समाप्त कर स्थायी सेवा नियमावली लागू करने की भी मांग उठाई गई है। ज्ञापन में महिला पंचायत सहायकों की समस्याओं का भी उल्लेख किया गया है। मांग की गई है कि विवाह के बाद महिला पंचायत सहायकों के लिए स्थानांतरण एवं समायोजन की स्पष्ट नीति बनाई जाए। साथ ही ग्राम पंचायत अधिकारी और ग्राम विकास अधिकारी के रिक्त पदों पर होने वाली भर्तियों में पंचायत सहायकों को आरक्षण या प्राथमिकता प्रदान की जाए। पंचायत सहायकों ने कहा कि उनकी आर्थिक और सामाजिक स्थिति को देखते हुए सरकार को उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो वे व्यापक आंदोलन करने को बाध्य होंगे। ज्ञापन भेजने वालों में जिला प्रभारी एवं ब्लॉक अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश मोनू, विपिन विजय विश्वकर्मा, रुपेश यादव, रत्नेश यादव, मिताली सिंह, शालू, चांदनी देवी, रेनू यादव, प्रेमचंद, शशि गुप्ता, संयोगिता प्रजापति, नेहा गुप्ता, विनीता यादव, अर्चना निषाद सहित बड़ी संख्या में पंचायत सहायक शामिल रहे।

## बिशप मंडल इंटर कॉलेज परीक्षा केंद्र पहुंचे रिटायर्ड आईजी

**बरेली (एजेंसी)** उत्तर प्रदेश के जनपद बरेली में टीजीटी चयन परीक्षा के दूसरे दिन गुरुवार को उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग द्वारा नियुक्त प्रेक्षक एवं रिटायर्ड आईजी डॉ. राकेश सिंह ने शहर के बिशप मंडल इंटर कॉलेज परीक्षा केंद्र का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने परीक्षा केंद्र की सुरक्षा व्यवस्था, बायोमेट्रिक सत्यापन, सीसीटीवी निगरानी और परीक्षा संचालन की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों और केंद्र व्यवस्थापकों को निर्देश दिए कि परीक्षा पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और नकलविहीन तरीके से कराई जाए। डॉ. राकेश सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार भर्ती परीक्षाओं की शुचिता को लेकर पूरी तरह गंभीर है और किसी भी अभ्यर्थी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। मेधावी युवाओं के हितों की रक्षा के लिए हर स्तर पर निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने बताया कि अक्टूबर तक शिक्षक भर्ती और प्रधानाचार्य चयन सहित कई महत्वपूर्ण परीक्षाएं प्रस्तावित हैं, जिन्हें शांतिपूर्ण और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए विशेष रणनीति तैयार की गई है।

## डिस्ट्रिक्ट इंटर क्रिकेट क्लब टूनार्मेंट : सिटी गोल्डन क्रिकेट एकेडमी ने चार विकेट से जीता मुकाबला

**मुरादाबाद (एजेंसी)** डिस्ट्रिक्ट इंटर क्रिकेट क्लब टूनार्मेंट मैच में चार विकेट से जीत दिला दी। गुरुवार को रुक्मणी क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए मुकाबले में सिटी गोल्डन क्रिकेट एकेडमी ने द आर्यांश की टीम को चार विकेट से शिकायत दी। 36 गेंदों में नाबाद 56 रन की मैच विजयी पारी खेलने वाले विराट को मैच ऑफ द प्लेयर के लिए चुना गया। डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन मुरादाबाद के सचिव व पूर्व रणजी खिलाडी विजय गुप्ता ने बताया कि टॉस जीतकर गेंदबाजी करने उतरी सिटी गोल्डन क्रिकेट एकेडमी ने द आर्यांश क्रिकेट अकादमी को 34.3 ओवर में 144 रन पर रोक दिया। कार्तिक ने 29 रन बनाए, जबकि विराज और उदयवीर ने 19-19 रन का योगदान दिया। हालांकि द आर्यांश की पारी में अतिरिक्त के 55 रन भी अहम रहे। सिटी गोल्डन क्रिकेट एकेडमी की ओर से मो. उवैश, अंश और अम्मार ने दो-दो विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सिटी गोल्डन क्रिकेट एकेडमी के विकेट बीच-बीच में गिरते रहे, लेकिन विराट ने एक छोर संभाले रखा। उन्होंने 36 गेंदों में नाबाद 56 रन की मैच विजयी पारी खेली। जिशान ने 18 और मो. अर्श ने नौ रन जोड़कर उनका साथ दिया। अतिरिक्त के रूप में मिले 35 रन भी टीम के लिए उपयोगी साबित हुए। रुक्मणी ने 32.4 ओवर में छह विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। शानदार बल्लेबाजी के लिए विराट को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

## अपहृत युवक सकुशल बरामद, पांच आरोपित गिरफ्तार

**उरई (एजेंसी)** उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में आटा थाना क्षेत्र में दो जून को हुए एक सनसनीखेज अपहरण मामले में गुरुवार को जालौन पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अपहृत युवक को सकुशल बरामद कर लिया है। पांच आरोपितों को गिरफ्तार करते हुए अपहरण में प्रयुक्त कार व मोटरसाइकिल बरामद किया है। अपर पुलिस अधीक्षक ईशान सोनी ने बताया कि 2 जून को महिला वादिया ने थाना आटा में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसके पति रोहित का अपहरण कर लिया गया है। इस पर थाना आटा में रविन्द्र, गुल्टू, अजय और 3-4 अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ केस पंजीकृत किया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक जालौन विनय कुमार सिंह ने तीन टीमों का गठन किया। टीमों ने इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस और साक्ष्यों के आधार पर अपहृत और आरोपितों की लोकेशन ट्रेस की। इसके बाद गाजियाबाद व दिल्ली में दबिश देने के लिए टीम रवाना की गई। दिल्ली पुलिस के सहयोग से अपहृत रोहित को सकुशल बरामद कर लिया गया। पुलिस ने इस मामले में दो मुख्य अभियुक्त अजय और शंकर के अलावा सुनील, रिजवान, दीपक को गिरफ्तार कर लिया है। अपहृत रोहित ने पुलिस को बताया कि उसके पैसों को लेकर विवाद था। 2 को करीब साढ़े तीन बजे उन्होंने कुसमरा रोड से उसे गाड़ी में डालकर अपहरण कर लिया। उसने यह भी बताया कि उनके साथ मोटरसाइकिल पर सुनील और रिजवान भी थे। रोहित ने पुष्टि की कि वह इन सभी को पहले से जानता है। एएसपी ने इस सफल अभियान के लिए टीमों की सराहना की है। यह भी बताया कि फरार आरोपित रविन्द्र और गुल्टू सहित अन्य की तलाश जारी है। सभी गिरफ्तार अभियुक्तों से पूछताछ भी की गई।

## भाजपा नेताओं ने सीएम योगी को जन्मदिन पर दी बधाई, पीएम मोदी को बताया दुनिया का लोकप्रिय नेता

**लखनऊ (एजेंसी)** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्मदिन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबसे अधिक कार्यकाल पर उन्हें बधाई दी है। ब्रजेश पाठक ने कहा, ह्लदेश की आजादी के बाद नरेंद्र मोदी सर्वाधिक दिनों तक प्रधानमंत्री जैसे सर्वोच्च पद पर रहने का कीर्तिमान बनाया है। प्रधानमंत्री सुव्यवस्थित, पारदर्शी और सर्वग्राही शासन देने वाले ऐसे व्यक्ति के उभरे हैं, जिन्हें देश की जनता अभिभावक मानती है। प्रधानमंत्री अपनी कार्यशैली से दुनिया के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता बने हैं। मैं उत्तर प्रदेश के लोगों की तरफ से प्रधानमंत्री का अभिनंदन करता हूं। प्रधानमंत्री लोकप्रिय होने के साथ-साथ जनकल्याणकारी कार्यक्रम और भ्रष्टाचार के जीरो टॉलरेंस की वजह से देश की जनता उन्हें अपना नेता मानती है। उपमुख्यमंत्री ने कहा, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को उनके जन्मदिन पर हार्दिक बधाई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दोनों कार्यकालों में भ्रष्टाचार और अपराध पर जीरो टॉलरेंस अपना कर प्रदेशवासियों के दिलों पर अपना राज कायम किया है। भाजपा नेता यशवंत सिंह ने कहा, आज योगी आदित्यनाथ का जन्मदिन है। आज वे 54 वर्ष के हो गए हैं। हमारा देश ऋषियों की भूमि रहा है। उनके आशीर्वाद से ही हमारा देश प्रगति कर रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी संत और महात्मा हैं। योगी आदित्यनाथ ने पूरे उत्तर प्रदेश में कानून का राज कायम किया है, जिसकी पूरे देश में नकल हो रही है। मैं आज के दिन देवी-देवताओं से आशीर्वाद मांग रहे हैं कि योगी आदित्यनाथ को शक्ति दें कि वह प्रदेश और देश की सेवा करते हुए दुनिया को नई राह दिखाने का काम करें। मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने कहा कि सीएम योगी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में जो काम किया है, उससे उनकी लोकप्रियता पूरे देश में है। भाजपा कार्यकर्ता, मंत्रिमंडल और पूरे प्रदेश की तरफ से सीएम योगी को जन्मदिन की बधाई देते हैं और उनके लंबी आयु की कामना करते हैं। दानिश आजाद अंसारी ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सबसे लंबे कार्यकाल तक सेवा कर कीर्तिमान स्थापित किया है। प्रधानमंत्री ने जब से शपथ ली है तब से एक से बढ़कर एक कीर्तिमान रचे हैं। वैश्विक पटल पर देश को आगे ले जाने में प्रधानमंत्री की भूमिका अद्भुत है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हम देश को समृद्धि की ओर आगे ले जाएंगे। पीएम मोदी 10 जून को सबसे लंबे कार्यकाल को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री राकेश सचान ने कहा, ह्लप्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत विकसित देश की ओर अग्रसर है। आज देश की विकसित हुआ है और पूरी दुनिया में पहचान हुई है। पीएम मोदी के नेतृत्व में 2047 तक भारत को विकसित देश बनाया जाएगा।

## देवरिया पुलिस ने दो वाहन चोरों को दबोचा, चार चोरी की बाइक बरामद

**देवरिया (एजेंसी)** उत्तर प्रदेश के3 देवरिया जिले में महुआडीह थाना पुलिस ने वाहन चोरी करने वाले गिरोह के दो आरोपितों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चार चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। पुलिस ने दोनों आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। महुआडीह थाना पुलिस ने 3/4 जून की रात संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की जांच के दौरान मुखबिर की सूचना पर टीला टाली के पास से दो युवकों को गिरफ्तार किया। उक्त बातें क्षेत्राधिकारी रुद्रपुर सत्येन्द्र कुमार ने गुरुवार को पत्रकार वार्ता के दौरान पुलिस लाइन सभागार में कही। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों की पहचान अविनाश गौड़ (22) निवासी जंगल बेलवा तथा रंकेश चौहान (20) निवासी बिशुनपुर मुरार, थाना महुआडीह के रूप में हुई। पुलिस ने उनके पास से एक चोरी की डिस्कवर मोटरसाइकिल बरामद की, जिस पर फर्जी नंबर प्लेट लगी हुई थी। उन्होंने बताया कि पूछताछ के बाद आरोपियों की निशानदेही पर तीन अन्य चोरी की मोटरसाइकिलें भी बरामद की गईं। इनमें एक प्लेटिना, एक स्प्लेंडर प्रो और एक पैशन प्रो बाइक शामिल हैं। उन्होंने बताया कि बरामद डिस्कवर बाइक की चोरी के संबंध में दो जून को महुआडीह थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि स्प्लेंडर प्रो बाइक कुशीनगर के कसया बाजार से तथा प्लेटिना और पैशन प्रो बाइक जिला चिकित्सालय परिसर, देवरिया से चोरी की गई थीं। चोरी के बाद इन वाहनों को बेचने के उद्देश्य से जंगल में छिपाकर रखा गया था। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, मुख्य आरोपी अविनाश गौड़ पर वाहन चोरी, फजीर्वाड़ा, आर्म्स एक्ट और गैंगस्टर एक्ट सहित कई मुकदमे पहले से दर्ज हैं। वहीं रंकेश चौहान के खिलाफ इस मामले में पहला मुकदमा दर्ज हुआ है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार राय, उपनिरीक्षक प्रभात सिंह, कांस्टेबल सुभाष यादव, इमरान, प्रदीप बिंद और महिला कांस्टेबल आरती शामिल रहीं।

## प्रवक्ता भर्ती के साक्षात्कार 15 जून से, डाउनलोड करें साक्षात्कार पत्र

**प्रयागराज (एजेंसी)** उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग द्वारा विज्ञापन संख्या - 02/2022 के अंतर्गत प्रवक्ता संवर्ग के 624 पदों के लिखित परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों के साक्षात्कार कार्यक्रम गुरुवार को जारी कर दिया गया है। साक्षात्कार 15 जून से प्रारम्भ होकर 27 जून तक विषयवार आयोजित किए जाएंगे। शिक्षा सेवा चयन आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि प्रवक्ता पद की लिखित परीक्षा 09 एवं 10 मई को आयोजित की गई थी, जिसका परिणाम 02 जून को घोषित किया गया। लिखित परीक्षा में औपबंधिक रूप से सफल घोषित अभ्यर्थियों को अब साक्षात्कार प्रक्रिया में सम्मिलित होना होगा। शिक्षा सेवा चयन आयोग के अध्यक्ष ने बताया कि 15 जून को वाणिज्य, कला, मनोविज्ञान, कृषि एवं गृह विज्ञान विषयों के अभ्यर्थियों का साक्षात्कार आयोजित किया जाएगा। 16 जून को भौतिक विज्ञान एवं इतिहास, 17 जून को रसायन विज्ञान एवं समाजशास्त्र, 18 जून को नागरिक शास्त्र एवं गणित तथा 19 जून को जीव विज्ञान विषय के अभ्यर्थियों का साक्षात्कार होगा। इसी प्रकार 20 जून को संस्कृत, 22 जून को भूगोल एवं शिक्षा शास्त्र, 23 जून को अर्थशास्त्र, 24 जून को अंग्रेजी, 25 जून को अंग्रेजी एवं हिन्दी तथा 27 जून को हिन्दी विषय के अभ्यर्थियों का साक्षात्कार आयोजित किया जाएगा। शिक्षा सेवा चयन आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि लिखित परीक्षा में सफल अभ्यर्थी अपना साक्षात्कार पत्र 05 जून से आयोग की आधिकारिक वेबसाइटडाउनलोड कर सकेंगे। साक्षात्कार पत्र डाउनलोड करने की प्रक्रिया तथा अभ्यर्थियों के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध करा दिए गए हैं। आयोग अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने सभी पात्र अभ्यर्थियों से अपील किया है कि वह आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध निदेशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन करें तथा निर्धारित तिथि एवं समय पर सभी आवश्यक अभिलेखों के साथ साक्षात्कार में उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

## दिल्ली होटल अग्निकांड के बाद वाराणसी में होटलों की फायर सेफ्टी जांच, कई प्रतिष्ठानों को चेतावनी

**वाराणसी (एजेंसी)** दिल्ली में हाल ही में हुए होटल अग्निकांड के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में गुरुवार को होटलों और गेस्ट हाउसों की अग्निशमन एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं की व्यापक जांच की गई। अभियान में मुख्य अग्निशमन अधिकारी स्वयं अपनी टीम के साथ शामिल रहे और शहर के विभिन्न होटलों में सुरक्षा मानकों का निरीक्षण किया। छावनी क्षेत्र स्थित हो टल क्लार्क समेत कई प्रतिष्ठानों में अग्निशमन उपकरणों की स्थिति का परीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिन होटलों में फायर सेफ्टी मानकों का पालन नहीं पाया गया, उन्हें चेतावनी दी गई। मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को ऐसे होटल प्रबंधन के विरुद्ध नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए। इसी क्रम में गोमती जोन के अपर पुलिस उपायुक्त नृपेन्द्र ने थाना बड़ागांव क्षेत्र के होटल संचालकों के साथ बैठक कर पर्यटकों और आमजन की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी होटल एवं गेस्ट हाउस केवल वैध लाइसेंस के तहत संचालित हों तथा लाइसेंस परिसर में प्रदर्शित किया जाए। होटल में ठहरने वाले प्रत्येक व्यक्ति का पहचान पत्र के आधार पर सत्यापन और रजिस्टर में अनिवार्य प्रविष्टि सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही किसी भी संदिग्ध व्यक्ति अथवा गतिविधि की सूचना तत्काल स्थानीय पुलिस को देने को कहा गया। अपर पुलिस उपायुक्त ने होटल परिसरों और आसपास के क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता वाले सीसीटीवी कैमरे लगाने तथा उनकी रिकॉर्डिंग सुरक्षित रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर यह फुटेज पुलिस को उपलब्ध कराई जानी चाहिए। अग्नि सुरक्षा के मद्देनजर होटलों में फायर सेफ्टी उपकरणों की समुचित व्यवस्था, उनकी नियमित जांच तथा प्रशिक्षित कर्मचारियों की चौबीसों घंटे उपलब्धता सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। आपात स्थिति में सुरक्षित निकासी के लिए स्पष्ट रूप से चिन्हित इमरजेंसी एग्जिट बनाए रखने के निर्देश भी दिए गए। साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए होटल परिसर में जागरूकता संबंधी पोस्टर और पंपलेट लगाने तथा डिजिटल लेन-देन में सतर्कता बरतने की सलाह दी गई। इसके अलावा यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए होटलों के आसपास व्यवस्थित पार्किंग सुनिश्चित करने को कहा गया, ताकि जाम की स्थिति उत्पन्न न हो। बैठक में स्वच्छता बनाए रखने, अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने तथा किसी भी प्रकार की अराजक या संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को उपलब्ध कराने पर भी बल दिया गया। इस अवसर पर प्रभारी निरीक्षक बड़ागांव सहित अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

## अयोध्या : रामलला के दरबार में पहुंचे थल सेना प्रमुख, हनुमानगढ़ी में भी किया दर्शन

**अयोध्या (एजेंसी)** । भारतीय सेना के प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी शुक्रवार को अपने निजी दौरे पर अयोध्या पहुंचे, जहां उन्होंने हनुमानगढ़ी और श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में दर्शन-पूजन कर देश की सुरक्षा, समृद्धि और कल्याण की कामना की। सेना प्रमुख बनने के बाद यह उनका पहला अयोध्या दौरा रहा, जिसे लेकर धार्मिक स्थलों और सैन्य प्रतिष्ठानों में विशेष तैयारियां की गई थीं। पहुंचने पर प्रशासनिक और सैन्य अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। वहां से वह सीधे हनुमानगढ़ी पहुंचे, जहां उन्होंने संकटमोचन हनुमान जी के दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की। इसके बाद जनरल उपेंद्र द्विवेदी श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र पहुंचे और रामलला के दिव्य दरबार में माथा टेककर आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर परिसर में उनके आगमन पर मंदिर प्रशासन और सुरक्षा अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। मंदिर व्यवस्था से जुड़े विहिप के वरिष्ठ पदाधिकारी गोपाल नागरकट्टे ने भी उनका अभिनंदन किया। दर्शन के दौरान सेना प्रमुख ने मंदिर निर्माण की प्रगति, स्थापत्य कला और परिसर की व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने परकोटा क्षेत्र में स्थित अन्य मंदिरों का भी अवलोकन किया। उन्होंने मंदिर परिसर में कुछ समय बिताकर वहां की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक गरिमा को करीब से महसूस किया। इस दौरान उनके परिवार के सदस्य भी साथ मौजूद रहे। सेना प्रमुख के दौरे को देखते हुए हनुमानगढ़ी और राम जन्मभूमि परिसर में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। पुलिस, प्रशासन और विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारी पूरे समय सतर्क रहे और दर्शन व्यवस्था को सुचारु बनाए रखा। इससे पहले जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने अयोध्या स्थित डोगरा रेजीमेंटल सेंटर का भी दौरा किया। वहां सैन्य अधिकारियों ने उनका औपचारिक स्वागत करते हुए गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया। सेना प्रमुख ने रेजीमेंटल सेंटर की गतिविधियों और प्रशिक्षण संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी भी प्राप्त की। सेना प्रमुख के आगमन ने रामनगरी की आध्यात्मिक गरिमा और सैन्य परंपराओं के बीच एक विशेष जुड़ाव का संदेश भी दिया।

## टुल्लू पम्प में उतरे करंट से पिता-पुत्र की मौत, महिला की हालत गंभीर

**मऊ (एजेंसी)** मऊ जिले के रामपुर बेलौली थाना क्षेत्र के मोइद्दीनपुर के प्यारेपुर मिश्र गांव में गुरुवार सुबह घर के आंगन में लगे टुल्लू पम्प में करंट उतरने से नहाने गई मीना देवी उसकी चपेट में आ गईं। बताया जा रहा है कि पम्प की केबिल कटी होने के कारण उसमें करंट प्रवाहित हो रहा था। मीना देवी को करंट की जद में आते देख उनके पति देवेंद्र मिश्रा (48) और पुत्र नीरज (26) उन्हें बचाने के लिए दौड़ पड़े। दोनों ने किसी तरह मीना को करंट से अलग कर दिया, लेकिन इस दौरान वे स्वयं करंट की चपेट में आ गए और गंभीर रूप से झुलस गए। घटना के दौरान करंट के तेज झटके से नीरज दूर जा गिरा, जिससे उसके सिर में भी गंभीर चोट लग गई। शोर सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों और पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी तथा तीनों घायलों को तत्काल फतेहपुर मंडाव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद देवेंद्र मिश्रा और नीरज को मृत घोषित कर दिया, जबकि मीना देवी की गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। सूचना मिलने पर पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना की जानकारी देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार ने बताया कि आज सुबह एक महिला स्नान करने गई थी पानी का मोटर चालू करने के दौरान उसमें करंट आ गया और उसकी चपेट में आ गई। उसे बचाने के लिए उसके पति और पुत्र दोनों गए वह लोग भी उसकी चपेट में आ गए पति और पुत्र की दर्दनाक मौत हो गई, लेकिन महिला गंभीर रूप से घायल है जिसका इलाज अस्पताल में चल रहा है।

## गोंडा: मंत्री आशीष पटेल ने विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर किया पौधारोपण, लोगों से की ये खास अपील

**गोंडा (एजेंसी)** उत्तर प्रदेश के गोंडा में विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल सहित कई लोगों ने हिस्सा लिया। इस खास मौके पर कैबिनेट मंत्री ने ह्लएक पेड़ मां के नामह्व अभियान के तहत पौधारोपण किया। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ से शुरू किए गए इस अभियान को सफल बनाने की दिशा में जनपद के लोग बढ़चढ़ कर हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा कि बड़े पैमाने पर शुरू किए गए पौधारोपण हमारे धरती की आवश्यकताओं की पूर्ति करेंगे। मौजूदा समय में जलवायु परिवर्तन के साथ ही कई तरह की जरूरतें पैदा हो रही हैं, जिन्हें देखते हुए यह कहने में कोई परहेज नहीं होना चाहिए कि अगर हम पौधारोपण अभियान को बल देते हैं, तो इससे हमारे पृथ्वी की आवश्यकताओं की पूर्ति होंगी। मुझे पूरा विश्वास है कि हमारी तरफ से शुरू किया गया यह छोटा-सा प्रयास आने वाले दिनों में एक बड़े आंदोलन की शक्ल लेगा। इस आंदोलन को आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता है। वहीं, मंत्री आशीष पटेल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्मदिन का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि हमने सुबह ही उन्हें बधाई दे दी थी। आज हम उन्हीं की प्रेरणा से यहां खड़े हैं। इसके अलावा, जब उनसे गाजीपुर में हुए कमलेश बिंद के एनकाउंटर के बारे में सवाल किया गया, तो उन्होंने इस पर कोई भी प्रतिक्रिया देने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि मुझे इस मामले के बारे में कोई जानकारी नहीं है, तो ऐसी स्थिति में मैं इस पर क्या ही रिएक्शन दूंगा। इसी तरह से उन्होंने एक कंपनी की ओर से 15 लाख रुपये के घोटाले पर भी किसी भी प्रकार का बयान देने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि इस मामले में जब सेबी की ओर से किसी भी प्रकार का आधिकारिक बयान आएगा, तभी मैं इस पर किसी भी प्रकार का बयान मैं अपनी तरफ से दे पाऊंगा। वहीं, मंत्री आशीष पटेल ने दिल्ली के मालवीय नगर हुए अग्निकांड को भी दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि यह बहुत ही दुखद घटना है। इस तरह की घटना होनी नहीं चाहिए। हमारी सरकार इस मामले में आगे बढ़कर कार्रवाई करेगी। इसके अलावा, मैं एक बात स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक-एक जीवन के लिए संवेदनशील हैं। इस प्रकरण में भी जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। साथ ही, उन्होंने समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव के उस बयान पर भी प्रतिक्रिया दी, जिसमें उन्होंने कहा था कि 2027 में भाजपा का जाना तय है। इस पर मंत्री आशीष पटेल ने कहा कि आज की तारीख में अखिलेश यादव की स्थिति ऐसी बन चुकी है कि उनके पास कोई अवसर नहीं है। 2017, 2019 , 2022 के चुनावों में जनता ने उन्हें जवाब दिया और एनडीए की सरकार बनी है। ऐसी स्थिति में पहले उन्हें अपने गिरेबान में झांकना चाहिए कि जनता ने उन्हें क्या परिणाम दिया है।

# ईमानदारी से बनी फिल्म दर्शकों तक जरूर पहुंचती है

आगामी फिल्म 'पेद्दी' को लेकर मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम में अभिनेत्री जाह्नवी कपूर ने फिल्म, दर्शकों और साउथ सिनेमा को लेकर बात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि किसी भी फिल्म की सफलता उसकी ईमानदारी, मेहनत और अच्छे इरादे पर निर्भर करती है। जाह्नवी कपूर ने कहा, 'अगर कोई फिल्म पूरी ईमानदारी और मेहनत से बनाई जाती है, तो वह अपने दर्शकों तक जरूर पहुंचती है। लोग जल्दी जज कर लेते हैं, लेकिन आखिरकार हम फिल्म दर्शकों के मनोरंजन के लिए बनाते हैं। हम उनके लिए काम करते हैं, इसलिए उनकी भावनाओं और राय को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। मेरे लिए दर्शक भगवान की तरह हैं, और हम सिर्फ उनकी सेवा करने की कोशिश करते हैं।' साउथ फिल्मों में अपने अनुभव को साझा करते हुए जाह्नवी ने कहा कि उन्हें तेलुगु फिल्मों में काम करने में काफी मजा आ रहा है। हालांकि, उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि अब शायद वह मलयालम भाषा में काम करने की कोशिश नहीं करेंगी, क्योंकि यह उनके लिए काफी कठिन है। उन्होंने कहा, 'मलयालम बहुत खूबसूरत और प्यारी भाषा है, लेकिन मेरे लिए यह काफी मुश्किल है। तमिल और तेलुगु भाषा से मैं थोड़ा परिचित महसूस करती हूं, इसलिए तेलुगु फिल्मों में काम करना मुझे बेहद पसंद आ रहा है। आगे चलकर मैं तमिल फिल्मों में भी काम करना चाहूंगी।'

कार्यक्रम के दौरान जाह्नवी कपूर ने अभिनेता राम चरण की लोकप्रियता का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि हाल ही में अमेरिका यात्रा के दौरान उन्हें हर जगह राम चरण का नाम सुनने को मिला। जाह्नवी ने कहा, 'मैं अभी अमेरिका से लौटी हूं, और वहां भारतीयों की पहचान के तौर पर लोग राम चरण का नाम लेते हैं। यहां तक कि इमिग्रेशन पर भी मुझसे पूछा गया कि क्या मैं भारत से अभिनेत्री हूं, और फिर उन्होंने तुरंत कहा- राम चरण!'

## यूके की गलियों में शूटिंग कर रहे अहान पांडे, साथ में नजर आई शरवरी वाघ

पिछले साल आई सफल फिल्म 'सैयारा' ने अहान पांडे को रातोंरात स्टार बना दिया। अब अहान अली अब्बास जफर के साथ अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं। अभी तक फिल्म का टाइटल सामने नहीं आया है। अब फिल्म की शूटिंग के दौरान का एक वीडियो सामने आया है। इसने फिल्म को लेकर फैंस में उत्सुकता और भी बढ़ा दी है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा यह वीडियो कथित तौर पर फिल्म के यूके शूटिंग शेड्यूल का है। इसमें अहान पांडे के साथ फिल्म की लीड एक्ट्रेस शरवरी वाघ नजर आ रही हैं। हालांकि, यह वीडियो कुछ ही सेकंड का है, लेकिन अहान और शरवरी को पहली बार पर्दे पर देखने के लिए फैंस उत्साहित हो गए हैं। वीडियो में अहान पूरी तरह से काले रंग के कपड़ों में नजर आ रहे हैं। वहीं शरवरी मैरून शर्ट और नारंगी मिनी स्कर्ट में दिखाई दे रही हैं। फिल्म की 27 दिनों की शूटिंग इस साल की शुरुआत में मुंबई के वाईआरएफ स्टूडियो में पूरी हुई थी। इसके बाद टीम एक लंबे इंटरनेशनल शूट के लिए विदेश रवाना हुई, जिसके लगभग दो महीने तक चलने की उम्मीद है।

### ऐश्वर्य ठाकरे भी निभाएंगे प्रमुख भूमिका

अली अब्बास जफर द्वारा निर्देशित इस फिल्म को एक एक्शन-लव स्टोरी फिल्म बताया जा रहा है। फिल्म में रोमांस के साथ-साथ जबरदस्त एक्शन और टकराव भी देखने को मिलेगा। इस फिल्म में 'निशानची' फेम ऐश्वर्य ठाकरे के भी मुख्य भूमिका में नजर आने की खबरें हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ऐश्वर्य फिल्म में विलेन के किरदार में नजर आएंगे।

## राजेश-विक्रांत की फिल्म अंडर 18 में किच्चा सुदीप की एंट्री

ऐश्वर्या साउथ इंडस्ट्री में इन दिनों निर्देशक कार्तिक पेरुमल स्वामी की नई फिल्म 'अंडर 18' लगातार चर्चा में बनी हुई है। फिल्म की कहानी को लेकर लोगों के बीच पहले से ही काफी उत्सुकता थी, लेकिन अब इसमें सुपरस्टार किच्चा सुदीप की एंट्री ने उत्साह को और बढ़ा दिया है। मेकर्स ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर इसका आधिकारिक ऐलान किया। फिल्म को प्रोड्यूस कर रही एसआर प्रोडक्शंस ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए किच्चा सुदीप का स्वागत किया। पोस्ट में लिखा, ''बादशाह आ चुके हैं। पावरहाउस परफॉर्मर किच्चा सुदीप का 'अंडर 18' में स्वागत है। सफर में एक बड़ा बदलाव अब शुरू होता है।'' फिल्म से उनके जुड़ने के ऐलान के बाद सोशल मीडिया पर फैंस के बीच काफी उत्साह देखने को मिला। लोग अब यह जानने के लिए और ज्यादा उत्सुक हैं कि फिल्म में किच्चा सुदीप का किरदार कैसा होगा। हालांकि, मेकर्स ने अभी उनके रोल के बारे में ज्यादा जानकारी साझा नहीं की है।

## बॉलीवुड के माहौल को शेखर ने बताया टॉक्सिक

शेखर सुमन बॉलीवुड में अपने बेबाक अंदाज के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में उन्होंने बॉलीवुड के बारे में चौंकाने वाली बातें कही हैं। शेखर ने बताया कि किस तरह से यहां लोगों में जलन की भावना भरी है। इंडस्ट्री का माहौल बहुत टॉक्सिक हो चुका है। इसके अलावा भी वह कई और बातें बॉलीवुड के लोगों और सेलेब्स को लेकर शेयर करते हैं। फिल्मफेयर को दिए गए हालिया इंटरव्यू में शेखर सुमन कहते हैं, 'देखिए जब कोई फेल होता है, किसी की फिल्म फ्लॉप होती है, शादी टूटती है तो कुछ लोगों को बहुत अच्छा लगता है। ऐसे लोग दूसरों को सफलता और खुशी देखकर दुखी होते हैं। हम बॉलीवुड में भी एक ऐसे दौर में जी रहे हैं, यहां पर माहौल बहुत टॉक्सिक हो चुका है।

शेखर सुमन आगे अपने इंटरव्यू में कहते हैं, 'बॉलीवुड के लोगों में बहुत जलन है। यह सामने पर एक-दूसरे को गले लगाते हैं लेकिन बाद में पीठ में छुरा घोंप देंगे। ये लोग एक-दूसरे की लाश पर चढ़कर आगे बढ़ जाएंगे। यह बहुत दुखी करने वाली बात है। इस कंडीशन के बावजूद शेखर सुमन के मन में बॉलीवुड के लिए बहुत सम्मान है। वह कहते हैं, 'हमारी इंडस्ट्री इसलिए बची है, टिकी है क्योंकि यहां पर अच्छे लोग अब भी बाकी हैं। इस इंडस्ट्री ने ही दिलीप कुमार और अमिताभ बच्चन जैसे स्टार्स हमें दिए हैं।' शेखर सुमन मल्टीटैलेंटड हैं, एक्टिंग के अलावा एंकरिंग, सिंगिंग, प्रोडक्शन तक में उन्होंने हाथ आजमाया है। साल 2024 में वह एक वेब सीरीज 'हीरामंडी' में दिखे थे। जल्द ही 'द पिरामिड स्कीम' में नजर आएंगे।

# पेद्दी की कहानी ने मुझे प्रेरित किया

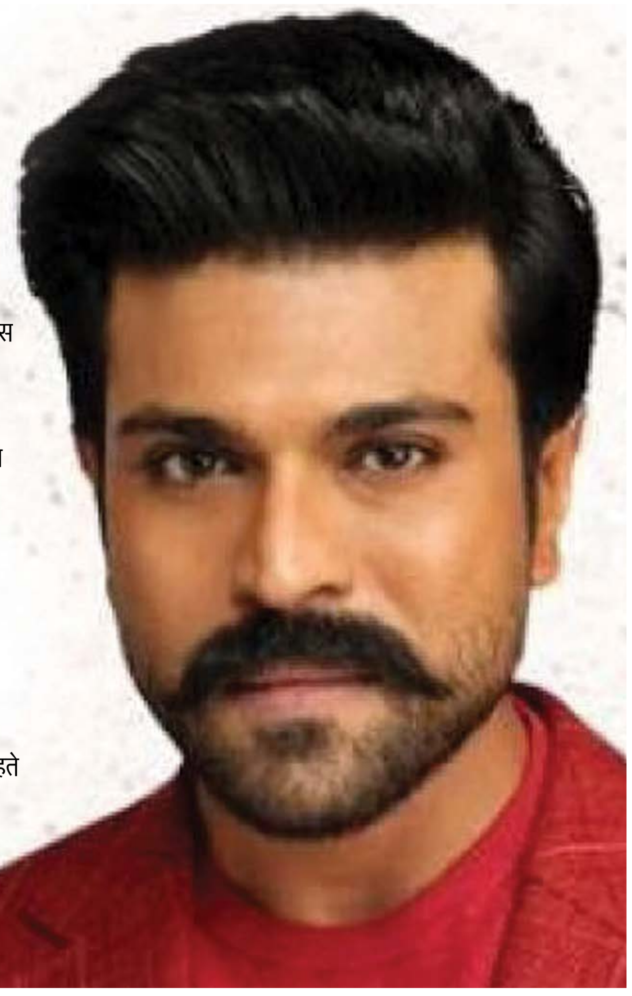

**राम चरण इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'पेद्दी' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में वह एक ऐसे किरदार में नजर आएंगे, जो गांव, आत्मसम्मान, संघर्ष और पहचान की कहानी कहता है। उनसे हुई बातचीत...**

### 'पेद्दी' चुनने की बड़ी वजह क्या रही?

ईमानदारी और समर्पण से की गई फिल्म है। यह भारत की मिट्टी की कहानी है। यह उन लोगों की कहानी है, जो अपनी पहचान और आत्मसम्मान के लिए जीते हैं। आज भी देश में कई गांव ऐसे हैं, जो ठीक तरह से नक्शे पर दर्ज नहीं हैं। वहां रहने वाले लोगों के पास बुनियादी सुविधाएं तक सीमित हैं। 'पेद्दी' ऐसे ही एक युवक की कहानी है, जो अपनी पहचान खोजते हुए अपने पूरे गांव और समुदाय को पहचान दिलाने की कोशिश करता है।

### इसके लिए कितनी तैयारी करनी पड़ी?

यह किरदार शारीरिक और मानसिक स्तर पर चुनौतीपूर्ण था। उत्तर भारत यूपी, हरियाणा और बिहार में कुश्ती सिर्फ खेल नहीं, बल्कि भावना है। मुझसे पहले सलमान खान ने 'सुल्तान' और आमिर खान ने 'दंगल' में कुश्ती को बड़े परदे पर दिखाया। मुझे सलमान बेहद पसंद हैं। उनकी फिल्मों की सफलता ने भरोसा दिया कि भारत की मिट्टी से जुड़ी कहानियां लोगों तक गहराई से पहुंचती हैं। करीब 200 दिनों की शूटिंग में मुझे कड़ी ट्रेनिंग और लगातार शारीरिक मेहनत करनी पड़ी।

### आप हमेशा रिस्क लेते रहे हैं। क्या चोटों से डर नहीं लगता?

डर हर किसी को लगता है, लेकिन मुझे अपने स्टंट्स खुद करना पसंद है। आज तकनीक पहले से काफी बेहतर हो गई है, इसलिए रिस्क कम हुआ है। मुझे लगता है कि दर्शक समझ जाते हैं कि कौन-सा एक्शन असली है और कौन-सा बॉडी डबल ने किया है। जब आप खुद करते हैं, तो दर्शकों से अलग कनेक्शन बनता है। मेरे पिता आज भी खुद स्टंट्स करते हैं। मैं उन्हें मना करता हूं, लेकिन उसमें एक अलग आकर्षण होता है। 'पेद्दी' ने मुझे भीतर से बहुत प्रेरित किया है।

### पिता चिरंजीवी ने कहा कि ऐसी फिल्में दशकों में एक बार बनती हैं। यह सुनकर क्या महसूस हुआ?

जब इतने बड़े कलाकार और आपके पिता ऐसा कहते हैं, तो जिम्मेदारी बढ़ जाती है। ऐसा लगता है कि कंधों पर वजन और बढ़ गया है। मैंने इस फिल्म के लिए करीब 13-14 महीने मेहनत की। कई महीनों तक पूरी तरह वेजिटेरियन डाइट फॉलो की।

# खुद को स्वीकार करना ही सच्ची स्प्रिचुअलिटी है

**सारा अली खान बेबाक हैं, बिंदास हैं, साथ ही प्रतिभा की धनी भी। अभिनय के मामले में उन्होंने अपनी खानदानी परंपरा को आगे बढ़ाया और खुद को साबित किया। कई भूमिकाओं में सराही गई सारा को उनकी पिछली फिल्म 'मेट्रो इन दिनों' में उनके काम को खूब तारीफ मिली थी। इन दिनों वह चर्चा में हैं अपनी नई फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' को लेकर। इस खास मुलाकात में उन्होंने अपने अध्यात्म, होने वाले जीवनसाथी, अपनी मां, ट्रोल्स, अपने बेबाक अंदाज जैसे कई मुद्दों पर बेधड़क होकर बात की।**

सारा इंडस्ट्री की उन अभिनेत्रियों में से हैं, जो अपनी स्प्रिचुअल जर्नी के लिए भी जानी जाती हैं। आप अकसर उन्हें मंदिरों, दरगाहों और गुरुद्वारों में अपना भक्तिभाव लुटाते देखते हैं। अपनी आध्यात्मिक यात्रा के बारे में वह कहती हैं, 'हां, मैं स्प्रिचुअल हूं, मगर इसी के साथ आपको अपने आप को भी स्वीकार करना जरूरी होता है। फिर आप वो चाहे जैसे करो। आप अपने माता-पिता के जरिए करो, अपने वर्कआउट के जरिए करो या किसी और रास्ते, मगर खुद को स्वीकारना और स्वयं के साथ सहज होना बहुत आवश्यक है। देखिए, वही मेरी निजी जिंदगी है। मैं मंदिरों, दरगाहों और गुरुद्वारों में जाकर बेहतर महसूस करती हूं, इसीलिए बार-बार जाती हूं। मुझे पहाड़ों पर जाकर बहुत सुकून मिलता है। कई बार वो पहाड़ रिलिजियस भी होते हैं, मगर पहाड़ मुझे हमेशा अपनी ओर आकर्षित करते हैं।'

### अपनी मां जैसी तिनका भर बन पाऊं, तो बहुत बड़ी बात

अपने करियर में सारा कई फिल्मों में पत्नी और प्रेमिका की भूमिका निभा चुकी हैं। जब उनसे पूछा जाता है कि जीवनसाथी के रूप में वह किस तरह के शख्स को चाहेंगी? तो वह मुस्कुराते हुए कहती हैं, 'एक अच्छे इंसान की तलाश है मुझे। अगर आप बहुत अच्छे इंसान हैं, तो मुझे छ्रूकर सकते हैं। मुझे लगता है कि मेरे लिए अच्छे इंसान की परिभाषा यही है कि वह अपने आप में संतुष्ट हो, आत्मविश्वासी हो और अपने काम से प्यार करने वाला हो। मेरे लिए ये अहम है। बाकी के और गुण भी हों, तो बढ़िया है। मगर साथ में सही समय का होना जरूरी है।' मां अमृता सिंह को लेकर सारा अली खान भावुक सभी जानते हैं कि सारा की जिंदगी में उनकी मां अमृता सिंह अहम स्थान रखती हैं। अपनी मां के बारे में बात करते हुए वह थोड़ी भावुक हो जाती हैं। उन्हीं के शब्दों में, 'मुझे लगता है, हम सब इस दुनिया में अपनी मांओं की वजह से हैं। मैं तो यही उम्मीद करती हूं कि अपनी मॉम की तिनके भर जितनी भी इंसान बन पाऊं, तो बहुत बड़ी बात होगी। वे मेरी ताकत हैं, जिंदगी हैं।'

### कोई बेरोजगार बंदा ही ट्रोलिंग करता होगा

दूसरे कई कलाकारों की तरह सारा भी ट्रोल्स के निशाने पर रहती हैं। अक्सर सोशल मीडिया पर उन्हें ट्रोलिंग का सामना करना पड़ता है। मगर अब सारा ने हेटर्स से डील करना सीख लिया है। वह कहती हैं, 'मैं भी मानती हूं कि सोशल मीडिया की अकाउंटेबिलिटी के लिए यूजर्स को अपने आधार कार्ड या कोई भी ऑफिशियल पेपर्स जमा कराने चाहिए, मगर दूसरी तरफ मुझे ये भी पता है कि ऐसा नहीं होने वाला, तो जब ऐसा नहीं होने वाला, तो दूसरों के बजाय खुद को रेगुलेट करना मेरे लिए आसान है। सुनने में बुरा लगे, मगर यह कोई बेरोजगार बंदा है, जो अपनी जिंदगी में खुश नहीं है और इसीलिए वो ऊटपटांग चीजें कह रहा है।

### मैं इनसिक्योर अभिनेत्री नहीं हूं

आम तौर पर जब भी कोई कलाकार मल्टीस्टारर फिल्म में काम करता है, तो एक सवाल तो रहता ही है कि उसे कितना स्क्रीन स्पेस मिलेगा? क्या सारा को ऐसी कोई इंसिक्योरिटी सताती है? इस पर वह कहती हैं, 'मैं इन मामलों में कभी इनसिक्योर नहीं होती। मेरा सीधा-सा फंडा है कि आपको खुद पर यकीन होना चाहिए और अपने निर्देशक पर भी। आपको ये विश्वास होना चाहिए कि आप अपने किरदार के साथ न्याय कर पाएंगी। आपको साथ ही ये भी सोचना होता है कि सब अपना-अपना काम अच्छे ढंग से करें, ताकि फिल्म को फायदा हो। एक्टर्स को ये सिक्योरिटी और विश्वास रखना जरूरी है।' 'पति पत्नी और वो दो' से पहले मैंने 'मेट्रो...' जैसी कई कलाकारों वाली फिल्म में भी काम किया और तब भी मैं सिर्फ अपने रोल के बारे में नहीं सोचा। मैं कभी ऐसा नहीं सोचती कि मुझे एक हीरोइन वाली फिल्म में ही काम करना है।

संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और
दमण-दीव एवं नई दिल्ली

# असली आज़ादी



# दमण में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का प्रदेश की सभी स्थानीय स्वराज संस्थाओं के जनप्रतिनिधियों और बंगाली-आसामी समाज द्वारा भव्य स्वागत

दमण। पीएम मोदी संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली एवं दमण-दीव को करोडों रूपये की विकास परियोजनाओं की सौगात देने के लिए आज दमण पहुंचे थे। नानी दमण के स्वामी विवेकानंद स्पोर्ट्स ग्राउंड पर आयोजित कार्यक्रम में दादरा नगर हवेली की सांसद, संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा, दमण नगरपालिका, दमण जिला पंचायत, दीव नगरपालिका, दीव जिला पंचायत, सिलवासा नगरपालिका, दादरा नगर हवेली जिला पंचायत, बंगाली समाज, आसामी समाज सहित ने पीए मोदी को स्मृति चिह्न भेंटकर उनका भव्य स्वागत एवं अभिवादन किया।

## (पेज 1 का शेष समाचार) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दमण-दीव और दादरा नगर हवेली में अत्यंत प्रभावी शासन...

जो मिशन इंद्रधनुष जैसी पहलों की सफलता को साबित करता है। श्री मोदी ने कहा, आज आयुष्मान भारत ने इन आंकड़ों को मौलिक रूप से बदल दिया है, और अब 60 प्रतिशत से अधिक परिवारों को यह महत्वपूर्ण सुरक्षा मिल रही है। सरकार द्वारा किए गए व्यापक स्वास्थ्य सेवा सुधार से सबसे अधिक लाभान्वित होने वाले जनसांख्यिकीय समूह का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए, प्रधानमंत्री ने देश की महिलाओं की ओर ध्यान केंद्रित किया। श्री मोदी ने कहा, "यदि किसी को स्वास्थ्य क्षेत्र में सरकार के ईमानदार प्रयासों से सबसे अधिक लाभ हुआ है, तो वह निःसंदेह देश की नारी शक्ति हैं।" केंद्र शासित प्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे पुनर्जागरण को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने उच्च शिक्षा के लिए युवाओं के जबरन पलायन पर रोक लगने की सराहना की और स्मार्ट कक्षाओं और स्वामी विवेकानंद शिक्षा केंद्र की तेजी से स्थापना का जश्न मनाया। श्री मोदी ने कहा, "मुझे खुशी है कि केंद्र शासित प्रदेश शिक्षा के इस अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र में धीरे-धीरे और दृढ़ता से आगे बढ़ रहा है।" शिक्षा के क्षेत्र में चल रही क्रांति के अंतर्गत लैंगिक समानता के प्रति सरकार की अटूट प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, उन्होंने युवा महिलाओं के उत्थान के लिए विशेष रूप से तैयार की गई स्थानीय पहलों की प्रशंसा की। श्री मोदी ने कहा, सरस्वती साइकिल योजना और सरस्वती विद्या योजना जैसी योजनाएं यहां की बेटियों की बहुत मदद कर रही हैं। शैक्षणिक डिग्रियों को व्यावहारिक वैश्विक अवसरों से सहजता से जोड़ने की राष्ट्रीय रणनीति की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए, प्रधानमंत्री ने ड्रोन, आईटी और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में विशेष शिक्षा के माध्यम से कार्यबल के आधुनिकीकरण की आवश्यकता पर बल दिया। श्री मोदी ने कहा, व्यावसायिक क्षेत्रों में हमारी वर्तमान लक्षित तैयारी भारत के भावी कार्यबल को मौलिक रूप से मजबूत करेगी। प्रधानमंत्री ने एनआईएफटी के अठारहवें परिसर की नींव रखने और आईटीआई दमण में उन्नत तकनीकी पाठ्यक्रमों की शुरुआत की घोषणा करते हुए इन संस्थानों को विश्व के लिए महत्वपूर्ण द्वार बताया। श्री मोदी ने कहा, यह प्रमुख संस्थान यहां के युवाओं को अमूल्य वैश्विक अनुभव से स्थायी रूप से जोड़ेगा। देश की खेल संस्कृति के क्रांतिकारी लोकतंत्रीकरण पर ध्यान केंद्रित करते हुए, प्रधानमंत्री ने खेलो इंडिया जैसी पहलों की सराहना की, जिन्होंने महानगरों के स्टेडियमों से ध्यान हटाकर स्थानीय मैदानों पर केंद्रित किया है। उन्होंने विशेष रूप से दीव के एक प्रमुख बीच स्पोर्ट्स डेस्टिनेशन के रूप में उभरने का उल्लेख किया। श्री मोदी ने कहा, खेलो इंडिया जैसे प्रयासों ने छोटे क्षेत्रों के युवाओं को अपनी अद्भुत प्रतिभा दिखाने के लिए एक बिल्कुल नया मंच प्रदान किया है। भारत की सांस्कृतिक और भौगोलिक विविधता का लाभ उठाने के लिए अपनाई गई रणनीतिक रणनीति का विस्तार से वर्णन करते हुए, प्रधानमंत्री ने बताया कि 'देखो अपना देश' जैसे अभियान विरासत, पर्यावरण और साहसिक पर्यटन क्षेत्रों को सक्रिय रूप से पुनर्जीवित कर रहे हैं। श्री मोदी ने कहा, हमारा अंतिम प्रयास यह है कि पर्यटन लगातार स्थानीय कला और संस्कृति को बढ़ावा दे, साथ ही छोटे स्थानों को विशाल अवसरों से जोड़े। पिछले कुछ वर्षों में पर्यटन में दस गुना हुई आश्चर्यजनक वृद्धि का खुलासा करते हुए, उन्होंने इस आर्थिक उछाल का श्रेय स्थानीय समुद्र तटों के उत्कृष्ट रखरखाव और आधुनिक समुद्री तटों और विरासत परिसरों के तीव्र विकास को दिया। श्री मोदी ने कहा, दमण नाइट मार्केट और नमो पथ समुद्री तट जैसे कई स्थान आज इस पूरे क्षेत्र के लिए एक नई पहचान बनाने में सक्रिय रूप से योगदान दे रहे हैं। इस क्षेत्र की औद्योगिक क्षमता को पहचानते हुए, विशेष रूप से दादरा और नगर हवेली को राष्ट्रीय मानव निर्मित फाइबर राजधानी का दर्जा प्राप्त होने के कारण, प्रधानमंत्री ने एक मजबूत विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय लघु एवं मध्यम उद्यमों को दिए जा रहे निरंतर वित्तीय समर्थन पर जोर दिया। श्री मोदी ने कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि आने वाले समय में यह क्षेत्र निश्चित रूप से विनिर्माण का एक प्रमुख केंद्र बन जाएगा। संवेदनशील शासन को जमीनी स्तर पर त्वरित परिवर्तन से जोड़ते हुए अपने संबोधन का समापन करते हुए, प्रधानमंत्री ने विकास के अगले चरण का नेतृत्व करने के लिए स्थानीय युवाओं, किसानों और उद्यमियों पर अटूट विश्वास व्यक्त किया। श्री मोदी ने कहा, केंद्र सरकार आपके सपनों को साकार करने के लिए हमेशा आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी रहेगी। संघ प्रदेश थ्रीडी को कई विकास परियोजनाओं की सौगात देने के लिए दमण दौरे पर आए पीएम मोदी का अभिवादन करते हुए प्रशासक प्रफुल पटेल ने अपने स्वागत संबोधन में कहा कि, प्रदेश में आठवीं बार दौरा करने के लिए मैं प्रदेशवासियों की ओर से आपका स्वागत और अभिनंदन करता हूँ। उन्होंने कहा कि देश को वैश्विक पहचान दिलाने वाले पीएम मोदी ने आजाद भारत में लगातार 25 वर्ष हेड ऑफ गवर्नमेंट के रूप में बिना कोई अवकाश लिये काम किया है, यह परिश्रम की पराकाष्ठा है। उन्होंने कहा कि, आपश्री ने 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बहार निकाला है, गरीबों की चिंता करते हुए करोड़ों लोगों को कच्चा मकान से पक्का मकान दिया है। जिनके लिए बैंक सपना होता था, ऐसे करोड़ों लोगों का जीरो बैलेन्स से खाता खुलवाया है। 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन की सुविधा उपलब्ध कराई है। प्रधानमंत्री आरोग्य योजना, मोदी केयर, आयुष्मान कार्ड योजना सहित के स्वास्थ्य सुविधाएँ भी प्रदान की है। उज्जवला योजना के माध्यम से गैस उपलब्ध कराया। उन्होंने कहा कि असंभव कार्य को संभव कर दिखाया। जिसमें अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर का निर्माण, जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाना, त्रिपल तलाक जैसे कार्य किये है। इतना ही नहीं दुश्मन देश के घर में घुसकर ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया है। पिछले एक दशक में आपके नेतृत्व में प्रशासनिक प्रक्रिया पादर्शी और गतिशील बनी है। वहीं भारत मोबाइल का सबसे ज्यादा उत्पादन वाला देश बना है। नारी शक्ति वंदन के तहत महिलाओं को सत्ता में भागीदारी मिली है। प्रशासक प्रफुल पटेल ने राजा विक्रमादित्य का जिक्र करते हुए कहा कि वे सबके दुःख में भागीदार बनते थे, हरेक की सेवा के लिए तत्पर रहते थे। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की संवेदना साधारण मनुष्य के लिए राजा विक्रमादित्य के जैसी ही है, उन्होंने पीएम मोदी की तुलना राजा विक्रमादित्य से करते हुए उन्हें 'पर-दुःखभंजन' बताया। प्रशासक प्रफुल पटल ने कहा कि आपने अपना पूरा जीवन सेवा कार्य में लगा दिया। उन्होंने कहा कि आपने लक्षद्वीप में एक डुबकी लगाकर 3,000 पर्यटकों की संख्या को काफी कम समय में ही 1,30,000 तक पहुँचा दिया। कोरोना काल के दौरान आपके आह्वान को जिस तरह लोगों ने माना उसी तरह तेल बचाओं आह्वान को भी लोग सहयोग दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी का व्यक्तित्व पारसमणी जैसा है। पहले भी योजनाएँ बनती थी, लेकिन कितना साकार होती थी इसका पता नहीं। पिछले 10 वर्षों में संघ प्रदेश की दिशा और दशा बदल गयी है, प्रदेश का पूरा कायापलट कर दिया है। इस संघ प्रदेश पर आपकी असीम कृपा बनी हुई है। प्रदेश को अनेक सौगातें देने के लिए प्रशासक प्रफुल पटेल ने उपस्थित विशाल जन समुदाय को मोबाइल का फ्लैश जलाकर भारत माता की जयकारें के साथ पीएम मोदी का स्वागत कराते हुए अपने संबोधन को विराम दिया। कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी के हाथों नवनियुक्त शिक्षकों को नियुक्त प्रमाणपत्र भी प्रदान किया गया। इस अवसर पर दादरा नगर हवेली की सांसद कला डेलकर, दमण नगरपालिका प्रमुख दीपिका टंडेल, दमण जिला पंचायत प्रमुख धरम पटेल, सिलवासा नगरपालिका प्रमुख सोमनाथ देवरे, दादरा नगर हवेली जिला पंचायत प्रमुख निशा भावर, दीव नगरपालिका प्रमुख हरेश कापडिया, दीव जिला पंचायत प्रमुख रंजीता कोटिया की मंच पर मौजूदगी रही। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नागरिकों में उपस्थित रहकर पीएम मोदी का अभिवादन किया। इस कार्यक्रम का लाइव प्रसारण दीव और लक्षद्वीप में भी देखा गया।

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)